CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 09 अंक : 242 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, मंगलवार 15 अप्रैल, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 134 वां जयंती समारोह

बाबा साहब ने देश ही नहीं, दुनिया को दिखाई राह, सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने देश ही नहीं, पूरी दुनिया को राह दिखाई है। बाबा साहब ने अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान का जो सपना देखा था, उसे पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने चार जातियों युवा, महिला, किसान और मजदूर के सशक्तीकरण के लिए दूरगामी कदम उठाए हैं और प्रदेश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। शर्मा ने सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर का संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने सबसे बड़ा संविधान देकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बनाया। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अम्बेडकर ने पीड़ित, शोषित, वंचित और उपेक्षित लोगों के लिए भेद-भाव रहित समाज का मार्ग दिखाया है। शर्मा ने कहा कि बाबा साहब ने सभी वर्गों में शिक्षा पर जोर दिया और महिला सशक्तीकरण और श्रम सुधार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों के लिए बाबा साहब अम्बेडकर संबल योजना शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांवों में 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी है, वहां बाबा साहब अम्बेडकर संबल योजना शुरू की जा रही है। इस योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों में आधारभूत संरचना व विकास के कार्य सुनिश्चित हो सकेंगे। इसके लिए 250 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है।

बाबा साहब के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों के भ्रमण के लिए योजना

मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी, आर्थिक कमजोर वर्ग और दिव्यांग जनों को संबल देने के लिए अनुजा निगम और अल्पसंख्यक विकास निगम की ओर से दिए गए बकाया ऋणों के मामलों को निपटाने के लिए वन टाइम सेटलमेंट स्कीम के दिशा-निर्देश जारी किए और स्वच्छकारों को सेफ्टी किट वितरित किए। साथ ही, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को औद्योगिक भूखंड के पट्टों का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने मस्कुलर डिस्ट्रोफी पीड़ितों को इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर भी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पंचतीर्थ भ्रमण योजना के तहत राज्य सरकार अनुसूचित जाति के लोगों को बाबा साहब के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों का भ्रमण करवा रही है। योजना के अंतर्गत उन्होंने बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना भी किया। समारोह में शर्मा ने बाबा साहब की प्रतिमा और संविधान की प्रति को माथे से लगाकर नमन किया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित भी किया। साथ ही, उन्होंने कुलदीप पंवार पाली को अंबेडकर सामाजिक सेवा पुरस्कार और डॉ अनुपमा सोनी को अंबेडकर महिला कल्याण पुरस्कार भी प्रदान किए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहब के विचारों के प्रसार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि वंचितों के उत्थान के लिए राज्य सरकार ने जो भी वादे किए थे, वो पूरे किए जा रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, अनुसूचित जाति वित्त व विकास आयोग अध्यक्ष राजेंद्र नायक, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, विधायक गोरधन लाल, श्री राम सहाय वर्मा, लालाराम बैरवा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी व बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने किया बाबा साहब के विचारों का प्रसार

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवपीढ़ी को डॉ. साहब के योगदान से परिचित कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय किए। प्रधानमंत्री ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों जन्म भूमि (महू), दीक्षा भूमि (नागपुर), महापरिनिर्वाण भूमि (दिल्ली), चैत्य भूमि (मुंबई) और शिक्षा भूमि (लंदन) को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया है। साथ ही, उन्होंने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। शर्मा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनकी इसी भावना को सम्मान देते हुए प्रधानमंत्री की पहल पर संविधान संशोधन किया गया और लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर जब जीवित थे, तब उन्हें कोई सम्मान नहीं दिया गया।

सामाजिक सुरक्षा के लिए राज्य सरकार ने उठाए अभूतपूर्व कदम

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार बाबा साहब के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सवा साल के कार्यकाल में कुल सवा सात लाख नए लाभार्थियों को जोड़ा है। प्रदेश में आज 91 लाख से ज्यादा लोग पेंशन पा रहे हैं। साथ ही, हमने पेंशन राशि 1,000 से बढ़ाकर अब 1,250 रुपए प्रतिमाह की है। बेसहारा और जरूरतमंद बच्चों की देखभाल के लिए पालनहार योजना के तहत हर महीने 2 हजार 500 रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। वहीं सरकार विमुक्त, घुमंतू और अर्द्धघुमंतू समुदाय के कल्याण के लिए दादूदयाल घुमंतू सशक्तीकरण योजना के माध्यम से 60 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

ज्ञानदेव आहूजा के खिलाफ कार्रवाई के संकेत

जो गलत करेगा उसे सजा मिलेगी : मदन राठौड़

जयपुर टाइम्स

जोधपुर(निसं.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंदिर में गंगा जल छिड़ककर विवादों में घिरे पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा को दंडित किए जाने के संकेत दिए हैं। सोमवार को जोधपुर दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए इस मुद्दे पर पार्टी का मत स्पष्ट करते हुए कहा कि भाजपा सदस्य बनने की पहली शर्त यही है कि मैं किसी भी तरह की अस्पृश्यता बर्दाश्त नहीं करूंगा। लिंग, जाति, धर्म का भेदभाव नहीं करुंगा। किसी व्यक्ति ने जो कुछ भी गलत काम किया, उस पर तत्काल कदम उठाया और निलंबित कर जवाब तलब किया। जो जवाब आया उसे अनुशासन कमेटी को सौंप दिया गया है। दंडित किया जाएगा लेकिन उससे पहले प्रक्रिया पूरी करना होती है। राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है जो गलत काम करेगा, उसे दंडित किया जाएगा।

राठौड़ ने कहा कि जैसा कि किसी भी दल हो, किसी को भी दंडित करने से पहले सुनवाई का पूरा अवसर दिया जाता है, उसके बाद निर्णय होता है। कानून में भी ऐसा ही होता है। मुझे लगता है...दंडित किया जाएगा...लेकिन मैं अध्यक्ष होने के नाते पहले ही कुछ कहूं, वो न्यायसंगत नहीं होगा। इस बातचीत में राठौड़ ने आहूजा की ओर से दिए जवाब का भी जिक्र करते हुए कहा कि उनका कहना था कि जाति को लेकर वे भेदभाव नहीं करते। राठौड़ ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का पिछड़ों को आगे लाने में अहम योगदान रहा है। उनकी ही तरह पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भी एकात्म मानववाद का सिद्धांत दिया। उन दोनों का यही मत रहा कि समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का भी भला हो। हमारे विरोधी उनके नाम पर सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए, बाबा साहब के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं, वो उचित नहीं है। भाजपा की पूर्ववर्ती सरकार की ओर से मंदिर माफी की भूमि से पुजारियों के खातेदारी में नाम होने के बावजूद उन्हें भी बेदखल करने के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि मंदिर की संपत्ति ठाकुरजी की है। वो उनकी ही रहेगी। हमने कभी पुजारियों का हक नहीं छीना है। हालांकि, ऐसे पुजारी, जिनके नाम खातेदार के रूप में दर्ज थे, उनके नाम हटाने के सवाल को राठौड़ टाल गए। केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने कहा कि देश में सर्वाधिक संपत्तियां वक्फ के पास है, लेकिन अब तक चुनिंदा लोग ही इसका फायदा उठा रहे थे। इसीलिए इस कानून में संशोधन करने की जरुरत पड़ी है। इससे असली जरुरतमंद तबके तक फायदा पहुंच पाएगा। वक्फ संपत्तियों से होने वाली आय का उपयोग भी उसी समाज के लोगों पर किया जाएगा। इससे वो लोग जरूर चिंतित हैं

कांग्रेस में अब रस्मअदायगी से काम नहीं चलेगा: डोटासरा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने काम नहीं करने वाले, बीजेपी और सरकार के खिलाफ नहीं बोलने वाले कांग्रेस नेताओं पर तंज कसा है। अंबेडकर जयंती पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे डोटासरा ने कहा कि जूली साहब ने ठीक कहा कि ये सरकारें तोड़ देते हैं, आप बोलते नहीं हैं। आपको किस बात का डर है, जेल जाने का। भगत सिंह जैसे दीवाने तो जेल छोड़ो देश के लिए फांसी पर चढ़ गए। आप और हम आने वाले कल के लिए, संविधान के लिए थोड़ी मेहनत और थोड़ा साहस नहीं कर सकते तो आपको कांग्रेसी कहलाने का अधिकार नहीं है। डोटासरा ने कहा कि रस्मअदायगी से काम नहीं चलेगा। रस्म अदायगी ने देश में हमें 50 तक पहुंचा दिया,अभी 100 हैं। अगर हमें राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है तो सबको कंधा मिलाकर काम करना पड़ेगा। डोटासरा ने कांग्रेस के निष्क्रिय नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि केवल गाड़ी के आगे नेम प्लेट लगाकर और किसी मीटिंग में आधे घंटे आकर अपने आप को नेता कहते हैं। यह ठीक नहीं है। हमें संविधान की रक्षा करनी है। उठ खड़े होना होगा। लोगों के बीच जाना होगा। केवल बातों से काम नहीं चलता है। एक महीने तक संविधान रक्षा का अभियान चलेगा। जो इसमें भाग लेगा, वही नेता होगा। ऐसे काम नहीं चलेगा। अगर हमने विरोध नहीं किया तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। डोटासरा ने कहा कि वन स्टेट वन इलेक्शन को लेकर कोई कानून में बदलाव नहीं किया। इसके बावजूद प्रशासक लगा दिए। पांच साल में चुनाव करवाने के प्रावधान के बावजूद ये साल भर तक चुनाव आगे खिसका रहे हैं। यह क्या संविधान को नहीं तोड़ रहे? यह संविधान का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं क्या? कुछ लोग इसलिए खुश हो रहे होंगे कि उनका 6 महीने 12 महीने कार्यकाल बढ़ गया। हिम्मत पैदा करो। अच्छे काम करोगे तो दोबारा 5 साल के लिए आ जाओगे। यह संविधान में कहीं नहीं था कि जब आप मर्जी हो तब चुनाव करवाओगे। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आने वाले दिनों में खुद को फील्ड में झोंकना होगा। संविधान बचाने के अभियान में जो काम करेगा, फील्ड में खुद को झोंकेगी वही हमारा नेता है। केवल बातों से काम नहीं चलता है। समय रहते सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना होगा। मंडल से लेकर हर स्तर की की बैठक लीजिए। जो पदाधिकारी तीन महीने बैठक में नहीं आया तो नया पदाधिकारी बना देंगे। हमें कॉल लेना पड़ेगा, जो 3 महीने तक बैठक में नहीं आए तो उसको आराम करने की आवश्यकता है। उसकी जगह दूसरे को पदाधिकारी बना देंगे। डोटासरा ने कहा कि कोटा में जनता के मुद्दों पर प्रदर्शन के दौरान हम पर केस किया। कुछ दिन पहले सीआईडी सीबी वालों ने कहा कि हम पूछताछ के लिए आपके घर आना चाहते हैं। हमने कहा नहीं, हम खुद आपके दफ्तर ही आ रहे हैं। गिरफ्तार कर लेना। हम खुद सीआईडी सीबी के दफ्तर गए। अगर हम ही उन्हें घर बुलाकर चाय कॉफी पिलाकर भेज देते तो कार्यकर्ता में क्या मैसेज जाता? डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री के पावर तो ऊपर वालों ने सीज कर रखी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुनी जनसमस्याएं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के उच्च मापदंडो के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं व सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जन आकांक्षाओं की पूर्ति और उनकी परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण ही हमारे सुराज संकल्प का केन्द्र बिंदु है।

इस दौरान उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा व ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं सुनी और उनका मौके पर ही निस्तारण कर परिवादियों को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

राजस्थान में आज से बदलेगा अदालतों का समय

जयपुर(कासं.) प्रदेश की अदालतों में मंगलवार से समय बदलेगा। हाईकोर्ट से लेकर प्रदेश की अधीनस्थ अदालतें अब सुबह की शिफ्ट में चलेगी। हाईकोर्ट में सुबह 8 बजे लेकर दोपहर 1 बजे तक और अधीनस्थ अदालतों में सुबह 8 बजे से लेकर दोपहर 12.30 बजे तक सुनवाई होगी। अदालतें 27 जून तक मॉर्निंग शिफ्ट में काम करेगी। प्रदेश में अदालतों की स्थापना के बाद से ही गर्मियों में कोर्ट्स मॉर्निंग शिफ्ट में संचालित होती है। जुलाई से फिर अदालतें अपने रूटीन समय पर संचालित होगी।

रिमोट का बटन दबाकर हिसार एयरपोर्ट से उड़ान सेवा की शुरुआत

वक्फ कानून ठीक होता तो मुसलमान पंचर नहीं बनाते: मोदी

जयपुर टाइम्स

हिसार(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर हिसार एयरपोर्ट से उड़ान सेवा की शुरुआत की। जिसके बाद हिसार-अयोध्या फ्लाइट एयरपोर्ट से रवाना हुई। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने यहां हिसार हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का शिलान्यास भी किया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की निगरानी में बनने वाले इस भवन के निर्माण पर करीब 503 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें एक मॉडर्न यात्री टर्मिनल, एक कार्गो टर्मिनल और एक एटीसी भवन शामिल होगा। मोदी ने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि खाटे जवान, खाटे खिलाड़ी, और थारा भाईचारा जो है हरियाणा की पहचान। हिसार से मेरी इतनी यादें जुड़ी हुई हैं। जब भाजपा ने मुझे हरियाणा की जिम्मेदारी दी थी, तो यहां अनेक साथियों के साथ मैंने लंबे समय तक काम किया। इन सभी साथियों के परिश्रम ने भाजपा की हरियाणा में नींव को मजबूत किया है। कहा कि यह दिन हम सभी के लिए, पूरे देश के लिए और खासकर दलित, पीड़ित, वंचित, शोषित के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। उनके जीवन में ये दूसरी दिवाली है। संविधान निर्माता बाबा साहब आंबेडकर की जयंती है। उनका जीवन, उनका संघर्ष, उनका संदेश हमारी सरकार की 11 साल की यात्रा का प्रेरणा स्तंभ बना है। हर दिन, हर फैसला, हर नीति, बाबा साहब को समर्पित है। इनके जीवन में बदलाव लाना, इनके सपनों को पूरा करना ये हमारा मकसद है। इसके लिए निरंतर विकास, तेज विकास, यही भाजपा सरकार का मंत्र है। साथियों, इसी मंत्र पर चलते हुए आज हरियाणा से अयोध्या धाम के लिए फ्लाइट शुरू हुई है। यानी अब श्रीकृष्ण जी की पावन भूमि हरियाणा, श्रीराम जी की भूमि से सीधी जुड़ गई है। मोदी ने कहा कि बहुत जल्द यहां से दूसरे शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू होंगी। हिसार एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का शिलान्यास भी हुआ है। यह शुरुआत हरियाणा के विकास को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएगी।

जब तक बाबा साहब जीवित थे, कांग्रेस ने उन्हें अपमानित किया

मोदी ने कहा कि देश के करीब 90 एरोड्रम उड़ान योजना से जुड़ चुके हैं। इनमें बहुत कम पैसों में लोग हवाई यात्रा कर रहे हैं। इसलिए आज हर साल हवाई यात्रा करने वालों का नया रिकॉर्ड बन रहा है। हमारी एयरलाइन कंपनियों ने भी रिकॉर्ड संख्या में 2 हजार नए हवाई जहाजों का ऑर्डर दिया है। जितने नए जहाज आएंगे, उतनी ही ज्यादा नौकरियां भी आएंगी। ऐसी अनेक सेवाओं के लिए युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। हिसार का यह एयरपोर्ट भी हरियाणा के युवाओं को नई ऊंचाई देगा। हमारी सरकार एक तरफ कनेक्टिविटी पर बल दे रही है, दूसरी तरफ गरीब कल्याण, सामाजिक न्याय भी सुनिश्चित कर रही है। यही तो बाबा साहब आंबेडकर का सपना था। हमारे संविधान निर्माताओं की यही इच्छा थी। लेकिन हमें यह कभी नहीं भूलना है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब के साथ क्या किया। जब तक बाबा साहेब जीवित थे, कांग्रेस ने उन्हें अपमानित किया। दो-दो बार उन्हें चुनाव हरवाया। कांग्रेस की पूरी सरकार उनको उखाड़ फेंकने में लगी थी। उनको सिस्टम से बाहर रखा गया। जब वह हमारे बीच नहीं रहे, तो कांग्रेस ने उनकी याद तक मिटाने की कोशिश की। कांग्रेस ने बाबा साहब के विचारों को भी हमेशा के लिए खत्म करना चाहा। कांग्रेस संविधान की भक्षक बन गई है। मोदी ने कहा कि शौचालय के अभाव में भी सबसे बुरी स्थिति पिछड़े समाज की थी, हमारी सरकार ने 11 करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाकर वंचितों को उनका हक दिया। साथियों, कांग्रेस के जमाने में एससी, एसटी, ओबीसी के लिए बैंक का दरवाजा तक नहीं खुलता था। बीमा, लोन, मदद - ये सारी बातें सपना थीं, लेकिन अब जन-धन खातों के सबसे बड़े लाभार्थी मेरे वंचित भाई-बहन हैं। हमारे एससी, एसटी, ओबीसी भाई-बहन जेब से रुपये कार्ड निकालकर दिखाते हैं, जो अभी तक अमीरों की जेबों में हुआ करते थे। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने हमारे पवित्र संविधान को सत्ता हासिल करने का एक हथियार बना दिया है। जब-जब कांग्रेस को सत्ता का संकट दिखा, उन्होंने संविधान को कुचल दिया। कांग्रेस ने संविधान की स्पिरिट को कुचला।

CMYK

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
15 अप्रेल, 2025

एक देश, एक चुनाव-विकास की रफ्तार को देगा नई उड़ान

सम्मान वही जो आने वाली पीढ़ियों के काम आए- और किताबों से बेहतर उपहार क्या हो सकता है - केंद्रीय मंत्री

जयपुर टाइम्स

खैरथल तिजारा(निसं.)। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने अपने संसदीय क्षेत्र में अभिनव नवाचार 'सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा' के तीसरे दिन सोमवार को ग्राम पंचायत मानका में उसके कलस्टर कि ग्राम पंचायत बावद, पलावा, हुलमानाकलां तथा ग्राम पंचायत जौनायचा. फौलादपुर में उसके क्लस्टर गूगल कोटा, कोलीला जोगा, शाहजहांपुर में आयोजित हुई।

एक देश, एक चुनाव-विकास की रफ्तार को देगा नई उड़ान

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच के तहत भारत में अब "वन नेशन, वन इलेक्शन" बिल ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर कुछ महीनों में होने वाले अलग-अलग चुनावों की वजह से जो समय, संसाधन और ऊर्जा खर्च होती है, अगर वही समय देश के विकास में लगे तो हमारा भारत कितनी ऊँचाइयों को छू सकता है! "वन नेशन, वन इलेक्शन" का यह बिल लोकसभा, विधानसभा, पंचायत और नगर निकायों के चुनावों को एक साथ कराने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इससे न केवल चुनावी खर्च में भारी कमी आएगी, बल्कि प्रशासनिक कामकाज में भी स्थिरता आएगी। हर चुनाव के बाद जो आचार संहिता लागू होती है, उससे विकास कार्यों पर लगाम लग जाती है। लेकिन जब चुनाव एक साथ होंगे, तो विकास बिना रुके, बिना थमे, तेज़ रफ्तार से आगे बढ़ेगा।

गांव में जाकर समस्या के समाधान के साथ विकास पर होगा काम

केन्द्रीय मंत्री यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सांसद के रूप में अपने संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक गांव पर पहुंच कर आमजन से रूबरू होकर न केवल उनकी समस्याओं निदान करना बल्कि विकास कार्यो को गति प्रदान करने का उदेश्य से सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अन्तिम छोर के व्यक्ति को मिले इसके लिए इस कार्यक्रम में उनकी जानकारी के साथ साथ उन योजनाओं में पंजीयन सुविधा प्रदान की जाएगी।

सम्मान माला से नहीं, किताबों से- क्योंकि किताबें ही गढ़ती हैं भविष्य की नींव

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय वन मंत्री ने एक प्रेरक संदेश दिया, कहा कि" सम्मान फूलों की माला से नहीं, किताबों से किया जाए।" क्योंकि माला कुछ पलों के लिए होती है, जबकि किताबें जीवन भर साथ चलती हैं और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की राह बनाती हैं। उन्होंने इसी सोच के साथ सम्मानस्वरूप प्राप्त किताबों को विद्यालय की लाइब्रेरी में सहेजने का सुंदर निर्णय लिया। उन्होंने स्कूल के प्रधानाध्यापक को विशेष रूप से यह निर्देश दिया कि इन किताबों को लाइब्रेरी में रखा जाए, ताकि हर बच्चा इन पन्नों में छिपे ज्ञान से अपनी दुनिया को रोशन कर सके। उन्होंने कहा कि सम्मान वही है जो आने वाली पीढ़ियों के काम आए और किताबों से बेहतर उपहार क्या हो सकता है। पूर्व विधायक मंजीत चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने सांसद सम्पर्क संवाद यात्रा के माध्यम से अभिनव पहल की है इससे आमजन की समस्या का मौके पर ही निदान होने के साथ क्षेत्र के विकास का खाका भी तैयार होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेल व शिक्षा में समान अवसर देने के लिए अलवर सांसद खेल उत्सव व ई-लाईब्रेरी जैसे अभिनव नवाचार किये जा रहे है। केंद्रीय जलवायु परिवर्तन मंत्री भुपेंद्र यादव ने कार्यक्रम में ग्राम मानका में गंदे पानी के निकासी हेतू पाइप लाइन कार्य उद्घाटन किया। इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, भाजपा जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष बलवान सिंह यादव, इंद्र यादव, डॉ अंजली यादव, मण्डल अध्यक्ष मनीष शर्मा सहित अनेक प्रबुध व्यक्ति, विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक तथा बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

हर्षोल्लास के साथ मनायी अम्बेडकर जयंती

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.) कस्बे मे बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी इस दौरान बाबा साहब डॉ भीमराव आम्बेडकर की विभिन्न झाकिया सजाई गयी और झाकिया कस्बे के मुख्य मार्गो से होती बस स्टैंड स्तिथ अम्बेडकर चौराहे पर पहुंची जहाँ डॉ अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके पदचिन्ह पर चलने का आवाहन किया इस अवसर पर एन एल वर्मा, लेखराज, सतीश, अरविंद, चेतराम, मनीष,मुकेश ,महंत प्रकाशदास , सहित अम्बेडकर समिति के सदस्य व अन्य संस्था के सदस्य मौजूद रहे।

डॉक्टर्स प्रीमियर लीग 2025 सुपर स्पार्टन की धमाकेदार जीत, कृष्णन बने मैन ऑफ दा मैच

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। डॉक्टर्स प्रीमियर लीग समर सीजन 2025 के तहत सोमवार को लिएट कॉलेज ग्राउंड, अलवर में खेले गए मुकाबले में सुपर स्पार्टन ने हरीश हरकेन्श को 27 रनों से हराकर टूर्नामेंट में अपनी स्थिति और मज़बूत कर ली। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाज़ी करते हुए सुपर स्पार्टन ने 20 ओवर में 193 रन बनाए। टीम की शुरुआत तेज़ रही, जहां ओपनिंग में डॉ. अंशुल फौजदार ने 26 और डॉ. अनिल कला ने 19 रन बनाकर आधार तैयार किया। इसके बाद मुकेश गुप्ता ने केवल 11 गेंदों में 27 रनों की धमाकेदार पारी खेली, वहीं कप्तान तरुण धाबाई ने 33 रनों की जिम्मेदार पारी खेली। हालांकि, पूरी पारी में सबसे बड़ा आकर्षण रहे ऑलराउंडर कृष्णन, जिन्होंने 34 गेंदों में 53 रनों की शानदार पारी खेली। हरीश हरकेन्स की पारी में कुल 8 विकेट गिरे और स्कोर 193 तक पहुँचा। कप्तान लवेश ने मोर्चा संभालते हुए 54 रनों की पारी खेली। इसके अलावा डॉ. हेमंत गुप्ता ने मात्र 14 गेंदों में 39 रन ठोकते हुए मैच में रोमांच भर दिया। डॉ. लोकेंद्र जांगिड़ ने भी 32 रन जोड़े, लेकिन लगातार अंतराल पर विकेट गिरते गए। सुपर स्पार्टन की गेंदबाज़ी में भी संतुलन दिखा। कृष्णन ने गेंद से भी अपना जलवा दिखाया और 4 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट लिए। कप्तान तरुण धाबाई ने भी 2 विकेट झटके, जबकि ललित यादव और डॉ. अनिल कला को एक-एक सफलता मिली। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए कृष्णन को "मैन ऑफ द मैच" घोषित किया गया। लवेश को उनकी अर्धशतकीय पारी के लिए "बेस्ट बैट्समैन" और डॉ. संजय को 4 ओवर में 19 रन देकर 2 विकेट लेने पर "बेस्ट बॉलर" का पुरस्कार मिला।

11 वीं श्री हनुमान ध्वजयात्रा आज

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। सर्व हिन्दू समाज द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल 11वीं श्री हनुमान ध्वजयात्रा आज सांय 4 बजे निकाली जाएगी। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. के.के. गुप्ता ने बताया कि 11वीं विशाल श्री हनुमान ध्वजयात्रा को अग्रसेन सर्किल, कृषि उपज मण्डी स्थित शिव मन्दिर प्रांगण में पूजनीय श्री बालकदास जी, नेना धाम गोविन्दगढ़, श्री बालकदास जी ब्रह्मपूरी महाराज टोडली, रैणा गिरी जी अपना उद्बोधन देकर भगवा ध्वज दिखाकर रवाना करेंगे। इस ध्वजयात्रा में 2100 ध्वज वाहन, विशालकाल श्री हनुमान जी झाकी, सर्वसमाज के महापुरूषों की झांकिया, आकर्षक डी.जे. ढोल नगाडे, अखाडे और पट्टे बाजी, विभिन्न समाजों के प्रमुख धार्मिक संगठन शामिल होंगे। ध्वज यात्रा में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु शहर की प्रमुख बस्तियों में पीले चावल बाट कर निमंत्रण दिया जा रहा है तथा अपने-अपने घरों पर श्री हनुमान ध्वजा लगाने के लिये प्रदान की जा रही है। समिति से जुडे प्रेम सिंह राजावत ने बताया कि ध्वजयात्रा अग्रसेन सर्किल, भगतसिंह सर्किल, काशिराम चौराहा, घण्टाघर, पंसारी बाजार, होप सर्कस, पुलिस कन्ट्रोल रूम, गोपाल टाकीज, मन्नी का बड़, अशोक सर्किल, एम.एम.डी. चौराहा होते हुए मोती डूंगरी स्थित चमत्तकारी हनुमान मन्दिर परिसर में पहुँचेगी। रास्ते में सर्वसमाज एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा ध्वजयात्रा का जगह-जगह स्वागत किया जायेगा मोती डूंगरी स्थित चमतकारी श्री हनुमान मन्दिर पर हनुमान चालीसा का पाठ किया जायेगा।

भाजपा पर आरोप!

भारतीय जनता पार्टी संविधान को कमजोर करने का काम कर रही हैं : नेता प्रतिपक्ष जूली

डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर किया जनता को संबोधित

जयपुर टाइम्स

अलवर/जयपुर(निसं.)।। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान को कमजोर करने का काम कर रही हैं। आज देश में विचारों की स्वतंत्रता और संविधान पर सीधा-सीधा हमला हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के इशारे पर ईडी की 193 कार्रवाई में से केवल दो मामलों में आरोप सिद्ध हो पाया है। उन्होंने कहा कि आज देश के किसान की आमदनी दोगुनी बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किसान की आय ही आधी कर दी हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारे पड़ोसी देशों में सत्ता पलट हो रहा है लेकिन हमारे देश में संविधान के चलते लोकतंत्र जिंदा है जिसकी खूबसूरती भाजपा खराब करना चाह रही है। उन्होंने कहा कि जिस देश का गृहमंत्री अंबेडकर का नाम लेने को फैशन बता सकता है उन लोगों की सोच कैसी हो सकती है यह हमें समझना होगा। जूली संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जयपुर के अंबेडकर सर्किल पर आयोजित सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत रत्न संविधान निर्माता महान समाज सुधारक डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहब अंबेडकर केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार है, समानता न्याय और मानव गरिमा के प्रतीक हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि डॉ अंबेडकर ने जीवन पर्यंत दलित और शोषितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने न केवल भारत के संविधान रचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई बल्कि समतामूलक आधारित समाज की स्थापना के लिए भी सतत प्रयास किए, आज का दिन हमें उनके दिखाएं मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी आज अंबेडकर के बने संविधान को कमजोर कर रही है। चुनाव आयोग बीजेपी के इशारे पर काम कर रहा है। बीजेपी अंबेडकर की प्रतिमा की सफाई के बजाय पहले अपनी मानसिकता को साफ करें। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा में कांग्रेस पार्टी लगी हुई है लोकसभा सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो मल्लिकार्जुन खड्गे संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी संविधान योद्धा के रूप में काम कर रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी की शह पर अंबेडकर का अपमान हो रहा है।

गंगाजल विवाद पर हुई चर्चा

अलवर के अपना घर शालीमार स्थित भगवान श्रीराम के मंदिर में दलित नेता एवं राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की पूजा अर्चना के बाद भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा द्वारा गंगाजल छिड़कने के बाद यह मुद्दा पूरे देश में गरमा गया है, आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें वक्ताओं ने कहा कि मंदिर में जाने का सभी को अधिकार है समतामूलक समाज की स्थापना पर हम सभी को सोचना चाहिए। उन्होंने डॉ भीमराव अंबेडकर को नमन किया। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मंत्री ममता भूपेश, बीडी कल्ला, रामलाल मीणा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हमें डॉ. बाबा साहेब के विचारों को याद करने का समय है - मिश्रा

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयन्ती पर बाबा साहेब को किया नमन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर की ओर से डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयन्ती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला प्रवक्ता रिपुदमन गुप्ता ने बताया कि कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में अंबेडकर सर्किल पर कांग्रेस जनों द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि आज भारत नहीं अपितु विश्व के 15 देश बाबा भीमराव अंबेडकर जी के संविधान को अपना रहे हैं, उन्होंने अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से भारतीय समाज में जातिवाद, असमानता और अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा की। बाबा साहब द्वारा लिखित भारतीय संविधान ने भारतीय नागरिकों को स्वतंत्रता, समानता और न्याय का अधिकार प्रदान किया। अम्बेडकर जयंती के इस अवसर पर हमें उनके विचारों को याद करने का समय है, और उनके संदेश को आज के समय में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। हमें समाज में विविधता, समानता, और न्याय की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए, जैसे कि अम्बेडकर जी ने सपना देखा था। उनकी जयंती हमें उनके द्वारा शुरू किए गए सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों को समझने का मौका प्रदान करती है, जो भारतीय समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके तत्पश्चात कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने ओमप्रकाश गोलिया (ढहलाबास) एवं प्रकाश हाडाले, जितेन्द्र सारवान, पदम गोयर द्वारा आयोजित प्रसाद वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राजेंद्र पाल शर्मा, गफूर खान, रोहिताश चौधरी, अजीत यादव, कमलेश सैनी, मुकेश सारवान, प्रधान जाकिर हुसैन, रिपु दमन गुप्ता, राकेश बैरवा, अनवर साजिद, ओमप्रकाश गोलिया (ढहलाबास), मुबारिक हुसैन, डी सी मीणा, दशरथ सिंह शेखावत, लीली यादव, हीरेन्द्र शर्मा, हुकुम सिंह, के के खंडेलवाल, सोनू गोपालिया, रामप्रकाश शर्मा, डालचंद वर्मा, प्रशांत राजा, गोपेश शर्मा, रमन सैनी, जमशेद खान, पंकज शर्मा, विशाल बौद्ध, ओमप्रकाश सैन, रामकिशन बैरवा, के सी मीना, मोतीलाल सैनी, सुनील पाटोदिया, अनिल चुघ, नितिन धाकड़ आदि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मंत्री एवं राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया नमन

बालिका छात्रावास हेतु 50 लाख रूपये की घोषणा, ई-लाइब्रेरी भी बनेगी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती के अवसर पर अलवर में खुदनपुरी स्थित छात्रावास एवं अंबेडकर सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके भारतीय संविधान के निर्माण में अतुलनीय योगदान को याद करते हुए नमन किया। केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि बाबा भीमराव अम्बेडकर का जीवन संघर्षों से लड़कर न केवल अपने बल्कि पूरे देश को एक बेहतर भविष्य देने की प्रेरणा देता है। बाबा साहेब सदैव सामाजिक न्याय और सर्वांगीण आर्थिक विकास के लिए कार्यरत रहने की प्रेरणा देते हैं। बाबा साहब ने सामाजिक जीवन में मानवीय मूल्यों को बढ़ाने के लिए संविधान के रूप में ऐसा दस्तावेज दिया है, जिस पर हिंदुस्तान के 140 करोड लोग देश को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। बाबा साहब ने शिक्षा का संदेश देकर शिक्षा को व्यक्ति व समाज के जीवन में परिवर्तन लाने का माध्यम बताया। शिक्षा के मौलिक विषय को लेकर अलवर में कार्य किए जा रहे है, जिसमें ई-लाइब्रेरी के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाई का समुचित वातावरण प्रदान किया जा रहा है। वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि देशभर में बाबा साहब के जन्मोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है, बाबा साहब दलित, पिछड़े, शोषित समाज की आवाज बने एवं संविधान की संरचना कर देश को मूलभूत अधिकार देने का कार्य किया। बाबा साहब कहते थे जो समाज पढ़ेगा, वह आगे बढ़ेगा। बाबा साहब ने अपना पूरा जीवन शिक्षा के प्रसार, सामाजिक भेदभाव के अंत और वंचितों के सशक्तिकरण को समर्पित किया।

बालिका छात्रावास के लिए 50 लाख रूपये की कि घोषणा व लाइब्रेरी भी ई-लाइब्रेरी में होगी अपग्रेड

खुदनपुरी में अम्बेडकर छात्रावास में डॉ. भीमराव ज्ञान प्रकाश समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा इस दौरान स्मारिका का विमोचन कर समिति के सभी पदाधिकारियों को अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की शपथ दिलाई। मंत्री यादव ने डॉ. भीमराव ज्ञान प्रकाश समिति द्वारा बनवाए जा रहे बालिका छात्रावास के लिए सांसद निधि से 50 लाख रुपए देने एवं छात्रावास की लाइब्रेरी को ई- लाइब्रेरी के रूप में अपग्रेड करने की घोषणा की।

सामान्य चिकित्सालय में शीतल जल प्याऊ का किया लोकार्पण, चित्र प्रदर्शनी का किया अवलोकन

इसके पश्चात केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने राजकीय जिला सामान्य चिकित्सालय के सामने शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ किया। उन्होंने अंबेडकर सर्किल पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर जिला प्रमुख बलवीर सिंह छिल्लर, पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल व जयराम जाटव, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी, प्रधान वीरमति व दौलतराम, बन्नाराम मीणा, इंदर यादव, ऋषिराज शर्मा, संजय नरूका, रिंकी वर्मा, राजेंद्र कसाना, सुरेश मेहता, अमित अग्रवाल, मनोज निहलवानी, सतीश यादव, हरिओम कटारा सहित जनप्रति निधिगण, प्रबुद्ध नागरिक एवं आमजन मौजूद रहे।

संभागीय आयुक्त ने की ग्रीष्मकाल में पेयजल प्रबंधन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपखंड स्तर तक जानी तैयारियां, अधिकारियों को प्रो-एक्टिव मोड पर कार्य करने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर में सोमवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संभाग के समस्त उपखंड स्तर तक बैठक लेते हुए गर्मी के दौरान पेयजल प्रबंधन सहित लू और तापघात के मद्देनजर की जाने वाली आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। संभागीय आयुक्त ने संभाग के चारों जिला कलेक्टर्स तथा उपखंड अधिकारियों से अब तक की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया तथा अगले तीन माह तक पेयजल प्रबंधन को लेकर मुस्तैद रहने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने गत दिनों श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के दौरे के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि की ग्रीष्मकाल में संभाग के समस्त जिलों में पेयजल आपूर्ति को लेकर समस्त प्रारंभिक तैयारियां कर ली जाएं। सभी अधिकारी संवेदनशील रहकर कार्य करें। संभागीय आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक उपखंड अधिकारी गत तीन वर्षों में राजस्थान संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को देखते हुए यह समझें कि किन क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता को लेकर समस्याएं आई। इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने टैंकर से परिवहन किए जाने की स्थिति में आवश्यक टेंडर तथा जीपीएस व्यवस्था सिस्टम लागू करने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने कहा कि टेल एंड के बैठे लोगों को पर्याप्त पेयजल मिले, इसके मद्देनजर पानी की चोरी, लीकेज दुरुस्तीकरण तथा अवैध कलेक्शन काटने का कार्य प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से भी समन्वय रखें, जिससे व्यवहारिक समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो सके। उन्होंने उपखंड अधिकारियों को जलदाय, जल संसाधन और विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय रखते हुए समस्त जल भंडारण स्रोतों के चिह्नीकरण, इन्हें भरने तथा पेयजल सप्लाई की प्रभावी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने कहा कि लू और तापघात की स्थिति से निबटने की प्रभावी व्यवस्था की जाए। स्कूलों, अस्पतालों, गौशालाओं में पेयजल उपलब्धता को लेकर कोई दिक्कत नहीं हो। विद्युत सप्लाई और लोड के कारण पेयजल वितरण व्यवस्था प्रभावित नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक चिकित्सा केंद्र में पर्याप्त दवाइयां तथा स्कूलों सहित सभी स्थानों पर ओआरएस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे। इसी प्रकार मनरेगा तथा पीडब्ल्यूडी की साइट्स सहित निजी कार्य स्थलों पर भी पेयजल प्रबंधन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक उपखंड अधिकारी पेयजल उपलब्धता और वितरण की दृष्टि से समस्याग्रस्त कस्बों और गांवों का भ्रमण कर लें। इस दौरान जल भंडारण स्रोतों को भरने और पानी चोरी की समस्या के समाधान के लिए पुलिस-प्रशासन को आवश्यक जाब्ता उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में लू और तापघात के कारण होने वाली मौसमी बीमारियों से निबटने की पर्याप्त व्यवस्थाएं हों। प्रत्येक उपखंड क्षेत्र के पीएचसी और सीएचसी तक लू और तापघात के मरीजों के लिए डेडीकेटेड वार्ड चिन्हित किए जाएं। उपखंड अधिकारियों को इनका निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। संभागीय आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र के ट्यूबवेल और हैंडपंप क्रियाशील रहें। एसडीएम इनकी भी रेंडम जांच करें। जिला कलक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि ने जिले में गर्मी के दौरान पेयजल आपूर्ति और हिट वेव प्रबंधन की तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार इससे जुड़ी सभी तैयारियां कर ली गई हैं। अधिकारियों को पूर्ण संवेदनशीलता से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और प्रशासन द्वारा पेयजल और जल संसाधन विभाग के साथ समन्वय रखा जा रहा है। बैठक के दौरान सभी जिला कलेक्टर्स और उपखंड अधिकारियों ने अपनी अपनी तैयारियों के बारे में बताया। बैठक में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त श्री जसवंत सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर नगर रमेश देव सहित पेयजल, जल संसाधन और विद्युत विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य, विधायक कुलदीप धनकड़ पहुंचे पावटा

श्रीमद् भागवत कथा शुभारंभ कार्यक्रम में लिया हिस्सा

कलश यात्रा में ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

पावटा(निसं.)। कस्बे के भूतनाथ मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा शुभारंभ कार्यक्रम को लेकर कलश यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राजस्थान सरकार में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, हवा महल विधायक बालमुकुंदाचार्य,विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़ ने केशव सागर धर्मशाला में कलश यात्रा कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इससे पूर्व भाजपा के आनेको पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने पावटा आगमन पर माला व साफा पहनाकर पावटा मुख्य बस स्टैंड पर स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। जहां कई सैकड़ो महिलाओं ने गाजे बाजे की धुन में सिर पर सुसज्जित कलशों को धारण करके जमकर थिरकी है। वही इस कार्यक्रम आयोजन के अंतर्गत टोरडा धाम महाराज मंगलदास, आचार्य स्वामी सोमेंद्र महाराज,सांवरमल व्यास,सोहनलाल व्यास सहित आनेको साधु संतों ने हिस्सा लिया। वहीं कलश यात्रा पावटा कस्बे के केशव सागर धर्मशाला से प्रारंभ होकर मुख्य कस्बे से गुजरती हुई कार्यक्रम स्थल भूतनाथ मंदिर पहुंची।जहां जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत सम्मान किया गया। तत्पश्चात विधि विधान से पूजा अर्चना करके श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया जहां कथा का वाचन अखिलेश कुमारी उज्जैन ने किया। वही इस कार्यक्रम आयोजन के अंतर्गत श्री भगवती ट्रेंड्स, विमल गर्ग, नवल गर्ग, केशव कमल गर्ग,पावटा प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी ,एसडीएम कपिल उपाध्याय ,विराटनगर वृताधिकार शिप्रा राजावत, प्रागपुरा थानाधिकारी किरण यादव सहित प्रशासनिक लोग भी मौके पर मौजूद रहे।

खोरा बीसल में बाबा साहेब की जयंती पर हुआ प्रतिमा अनावरण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सोमवार रामपुरा डाबडी तहसील के ग्राम खोरा बीसल खोराजी चौंक में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 134वी जन्म जयंती के उपलक्ष्य पर डॉ बी. आर. अम्बेडकर जयंती संयुक्त समारोह समिति खोरा बीसल, सरना डूंगर के तत्वाधान में डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण आमेर विधायक प्रशांत शर्मा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। समारोह की अध्यक्षता स्थानीय सरपंच सुरेन्द्र डाबी ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक गंगा देवी, लोकसभा प्रत्याशी अनिल चौपड़ा, सेवानिवृत्त आई. ए. एस. बी. एल नवल, उप जिलाप्रमुख मोहन डागर, जिला परिषद सदस्य अचरज कँवर, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस राकेश मीणा, पंचायत समिति सदस्य कानाराम माणडिया रहे। इस दौरान मौजूद लोगों ने मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। समारोह में मुख्य वक्तओ ने डॉ बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की जीवनी पर प्रकाश डाला। एवं बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दी। समारोह में सरपंच पवन कुमार बुनकर, भगवान सहाय बुनकर, आशा भंवर वर्मा, विजय लक्ष्मी गजेन्द्र नोगिया, सीताराम सैनी, पंचायत समिति सदस्य ऐश्वर्य अटल, जयराम कुमावत, गीता मौर्य, सुशीला कासोटिया, भगवान सहाय जाबडौलिया, ब्लॉक अध्यक्ष बाबुलाल भुखल, महाराजा महाविधालय के पूर्व अध्यक्ष संजय माँचेडी, उप सरपंच हनुमान सहाय पंचौली, मनोज जैन, मुकेश मीणा, महेन्द्र मीणा, शंकरलाल बुनकर, बबल बुनकर, ईश्वर यादव, अर्जुन बाजिया, अजय शर्मा, संयुक्त समारोह की कार्यकारिणी अध्यक्ष सुरेन्द्र डाबी, उपाध्यक्ष हंसराज डबरिया, नारायण लाल सबल, महासचिव तेजपाल कराडिया , सचिव नरेन्द्र मुण्डोतिया, कोषाध्यक्ष बद्रीनारायण रैगर, चन्द्र प्रकाश डबरिया, मिडिया प्रभारी मुकेश बासीवाल, मुरारी लाल मौर्य, ओमप्रकाश वाल्मीकि, संगठन मंत्री जगदीश यादव, बनवारी पुनिया, लक्ष्मीनारायण बासीवाल, शिवराज कराडिया, गोपीराम डबरिया, गोपाल नाथ महाराज सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद थे।

बाबा साहब के शिक्षा, सद्भावना व सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने से ही देश व समाज का विकास सम्भव- पटेल

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 134 वाँ जयन्ती समारोह सोमवार को कस्बा स्थित नगर परिषद पार्क में मेघवाल विकास समिति व डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विचार मंच समिति के संयुक्त तत्वाधान में बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं व सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों, विचारकों व आमजन ने अपार जोश व उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का आगाज क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल के मुख्य आतिथ्य में पार्क में लगी बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण व पौधारोपण के साथ हुआ। वहीं विधायक पटेल, पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव, सेवानिवृत आईआरएस डॉ. डी.आर.रैवाला समेत आयोजन समिति के अन्य सदस्यों ने बाबा साहब के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर आयोजित समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुये विधायक पटेल ने कहा कि बाबा साहब के शिक्षा, सद्भावना व सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने से ही देश व समाज का विकास सम्भव है। बाबा साहब ने देश को सामाजिक न्याय, समानता व संविधान आधारित लोकतंत्र की मजबुत नींव प्रदान की। राजस्थान सरकार पंचायत स्तर पर अम्बेडकर सामुदायिक भवनों के निर्माण पर जोर दे रही है। विभिन्न ग्राम पंचायतों में अम्बेडकर भवनों के निर्माण का कार्य जारी है। विधायक पटेल ने क्षेत्र में शिक्षा से जुड़े पूर्व विधायक स्व. मुक्ति लाल मोदी के संस्मरणों को ताजा करते हुये इसे वर्तमान समाज की आवश्यकता भी बताया। विधायक पटेल ने कस्बे में निर्माणाधीन अम्बेडकर महिला छात्रावास में विधायक कोष से 11 लाख रूपये देने की घोषणा भी की। साथ ही नवरंगपुरा ग्राम में अम्बेडकर सामुदायिक भवन निर्माण हेतु रामावतार सरपंच व भवानी सहाय गुर्जर द्वारा 400 गज भूमि दान की गई। जिस पर पटेल ने अम्बेडकर सामुदायिक भवन बनाये जाने की घोषणा की। वहीं कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि वर्तमान युग में केवल शिक्षा ही ऐसी विषय वस्तु है, जिससे प्रतिस्पर्धा व प्रगति की जा सकती है। उन्होंने उच्च अध्ययन के क्षेत्र में भी वंचित, शोषित व पिछड़े समाजों को आगे बढने की आवश्यकता जताई। यादव ने कहा कि समाज में अभी वह शैक्षणिक प्रगति नहीं हो सकी है जिसका सपना बाबा साहब ने देखा था। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों व वैवाहिक समारोह समेत अन्य कार्यक्रमों में फिजुल खर्ची जैसी सामाजिक विसंगतियों से दूर रहने का संदेश भी दिया। साथ ही स्वयं के निजी कोष से 05 लाख रूपयों की राशि महिला छात्रावास के निर्माण में देने की घोषणा की। इस मौके पर विशाल प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन भी हुआ। जिसमें विभिन्न शैक्षणिक उपलब्धि अर्जित करने वाली प्रतिभाओं के साथ-साथ छात्रावास निर्माण में सहयोग देने वाले भामाशाहों का भी सम्मान किया गया। मेघवाल विकास समिति के जिलाध्यक्ष एड. सुबेसिंह मोरोडिया ने एससी-एसटी समाज की विभिन्न समस्याओं व विषयों को लेकर उद्बोधन दिया। संचालन चिरंजी लाल आर्य व राजेन्द्र तौंदवाल ने किया। अध्यक्षता सेवानिवृत आईआरएस डॉ. डी.आर. रैवाला ने की। कार्यक्रम संयोजक सेवानिवृत नायब तहसीलदार मदन लाल वर्मा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विशिष्ठ अतिथि के तौर पर सभापति प्रतिनिधि एड. दुर्गाप्रसाद सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना, मीणा महासभा के तहसील अध्यक्ष इंजी. दिनेश मीणा, सरपंच मातादीन दहमीवाल, जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर, उपाध्यक्ष रंजीत सिंह वर्मा, पार्षद उमेश आर्य समेत अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। आयोजन स्थल पर महापुरूषों के आकर्षक चित्र लगाये गये। मेघवाल विकास समिति के जिलाध्यक्ष एड. सुबेसिंह मोरोडिया व डॉ. बी आर अम्बेडकर विचार मंच समिति के जिलाध्यक्ष पूरण सिंह ने अतिथियों का माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी, एड. कमल कसाना, भाजपा मंडल अध्यक्ष एड. रमेश रावत, जे.पी. कोटिया, बुधराम आर्य, रामेश्वर भगतजी, नेतराम, बदलूराम आर्य, सुगन चंद आर्य, हीरालाल रेंजर, गिरिराज आर्य, रजकेश खारडिया, श्रीराम रीडर, दयाराम चौरडिया, मुकेश रिवालिया, रामसिंह मैनेजर, छोटुराम सामरिया, रत्तिराम जीलोवा, मुकेश कुमार, शिक्षाविद् उमराव लाल वर्मा, चेतराम आर्य, अक्की सिंघल, जगदीश मेघवाल समेत अन्य मौजूद रहे।

राजस्थान में हीटवेव का कहरः बाड़मेर में पारा 45.4 डिग्री पहुंचा, अगले 48 घंटे राहत की उम्मीद नहीं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान में एक बार फिर भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी है। बाड़मेर में सोमवार को अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6 डिग्री अधिक है। जैसलमेर और फलोदी में भी पारा 44 डिग्री तक पहुंच गया। सीमावर्ती इलाकों में लू का प्रकोप जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, 17-18 अप्रैल तक गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है। अगले दो से तीन दिनों में तापमान में 2 डिग्री की और बढ़ोतरी संभव है। इससे बाड़मेर और जैसलमेर जैसे इलाकों में पारा 46 डिग्री से ऊपर जा सकता है। 15 अप्रैल को गंगानगर, बीकानेर, झुंझुनूं, जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर में येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, 16 अप्रैल को श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर में ऑरेंज अलर्ट रहेगा। जैसलमेर में गर्मी से टूरिस्ट भी परेशान नजर आए, जबकि बाड़मेर में बाइक सवार लोग खुद को गर्म हवाओं से बचाते दिखे। गर्मी का यह दौर आमजन के लिए भारी पड़ रहा है।

गर्ल्स कॉलेज के प्रिंसिपल पर छात्राओं को भेजे अश्लील मैसेज, फेल करने की धमकी का आरोप

जयपुर टाइम्स

कोटा(निसं.) कुन्हाड़ी क्षेत्र स्थित एक सरकारी गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने प्रिंसिपल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्राओं का कहना है कि प्रिंसिपल उन्हें देर रात चैट करने और निजी फोटो भेजने के लिए मजबूर करते हैं। विरोध करने पर फेल करने या कम नंबर देने की धमकी दी जाती है। छात्राओं ने 7 अप्रैल को कॉलेज एजुकेशन, कोटा के असिस्टेंट डायरेक्टर विजय पंचौली को लिखित शिकायत दी। शिकायत में कुछ वॉट्सऐप चैट्स के स्क्रीनशॉट भी शामिल हैं, जिनमें प्रिंसिपल छात्रा को 'प्रीटी एंड ब्यूटीफुल बेबी' जैसे भद्दे मैसेज भेजते दिखे। आरोप है कि प्रिंसिपल छात्राओं को अकेले अपने रूम में बुलाते हैं और बाहर गार्ड को बैठा देते हैं ताकि कोई अंदर न आ सके। जिन छात्राओं ने विरोध किया, उन्हें नंबर कटने की धमकी मिली। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायत जयपुर भेज दी गई है और निष्पक्ष जांच के लिए कमेटी गठित करने की सिफारिश की गई है। छात्राओं ने कहा कि वे डर के बावजूद आगे आईं क्योंकि चुप रहने से भविष्य में फ्रेशर छात्राओं के साथ भी अन्याय हो सकता है।

राजस्थान मत्स्य विभाग के टेंडर में बड़ा फर्जीवाड़ाः 3500एष्ट तापमान वाला 'काल्पनिक' ओवन सप्लाई, विभाग और फर्म दोनों अनजान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान के मत्स्य विभाग द्वारा जारी एक टेंडर में बड़ा घोटाला सामने आया है। चूरू जिले में मत्स्य अनुसंधान लैब के लिए मांगे गए उपकरणों में एक हॉट एयर ओवन की मांग की गई, जिसकी तापमान सीमा 3500 डिग्री सेल्सियस निर्धारित की गई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह तापमान नासा के रॉकेट इंजन (3316एष्ट) से भी ज्यादा है, जो किसी भी सामान्य वैज्ञानिक उपकरण में संभव नहीं है। इसके बावजूद, श्रीगंगानगर की ओमेगा साइंटिफिक एजेंसी ने दावा किया कि वह ऐसा ओवन सप्लाई कर सकती है और विभाग ने बिना तकनीकी जांच के उसे टेंडर दे दिया। ₹ज्ञह्व में यह भी सामने आया कि उपकरण अब तक इंस्टॉल नहीं हुआ है, और उसकी क्षमता की जांच अभी बाकी है। सप्लाई दो चरणों में मार्च और अप्रैल 2025 में की गई, जिससे संदेह और गहरा गया। फर्म के मालिक राजीव डोडा से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने खुद स्वीकार किया कि "3500एष्ट तापमान वाला कोई ओवन बनता ही नहीं है", और यह 'विभागीय चूक या आपसी समझ' का मामला हो सकता है। टेंडर प्रक्रिया में शामिल तकनीकी समिति ने दस्तावेज देखकर फर्म को योग्य घोषित किया था, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि लैब में सामान्यतः 250-350एष्ट तापमान वाला ओवन ही पर्याप्त होता है। सवाल यह भी उठता है कि विभाग ने सारे उपकरणों की जिम्मेदारी एक ही फर्म को कैसे सौंप दी, जबकि उपकरणों की तकनीकी प्रकृति अलग-अलग विशेषज्ञता की मांग करती है। मत्स्य विभाग के संयुक्त निदेशक धर्मेश सोडाणी ने कहा कि उन्हें इस तकनीकी विसंगति की जानकारी नहीं है और वे दस्तावेजों की जांच के बाद ही स्पष्ट जवाब देंगे। यह मामला सरकारी खरीद प्रणाली में लापरवाही, तकनीकी अज्ञानता और संभावित मिलीभगत की बड़ी मिसाल बन गया है, जिस पर उच्चस्तरीय जांच की मांग उठ रही है।

बाड़मेर में हनी ट्रैप का जालः टेक्सटाइल व्यापारी से 15 लाख की मांग, 4 चेक लेकर छोड़ा; ब्यूटी पार्लर संचालिका समेत 3 गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

बाड़मेर(निसं.) जिले के महावीर नगर में एक ब्यूटी पार्लर संचालिका ने अपने प्रेमी और साथियों के साथ मिलकर टेक्सटाइल व्यापारी को हनी ट्रैप में फंसा लिया। व्यापारी को घर बुलाकर बंधक बनाया गया, अश्लील वीडियो बनाए गए और फिरौती के तौर पर 15 लाख रुपए की मांग की गई। पुलिस के अनुसार, महिला विमला (32) ने प्रेमी रतन कुमार (35) और बाबूराम (28) के साथ मिलकर 7 अप्रैल की रात व्यापारी को अपने घर बुलाया। वहां उसे बंधक बनाकर पहले 60 लाख की डिमांड की गई। बाद में 15 लाख पर सहमति बनी। कैश नहीं होने पर व्यापारी से 4 खाली चेक साइन करवा लिए गए। व्यापारी को 8 अप्रैल शाम को गुड़ामालानी इलाके में छोड़ दिया गया। पीड़ित व्यापारी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। चौथा आरोपी अर्जुन सिंह अभी फरार है। जांच में पता चला कि विमला और रतन 7 साल से एक-दूसरे को जानते हैं। विमला अपने पति से अलग रह रही है और पहले भी अर्जुन सिंह ऐसे मामलों में शामिल रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने होली से पहले ही व्यापारी को फंसाने की साजिश रची थी, लेकिन समय पर कार्रवाई होने से बड़ा फर्जीवाड़ा टल गया।

मगजी छगजी मेमोरियल ट्रस्ट ने जिला अस्पताल में मरीजों के लिए भेंट किया वाटर कूलर

बीकानेर(निसं.)। एसडीएम राजकीय जिला चिकित्सालय में श्रीमगजी छगजी मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से पं. छगनलाल व्यास एवं स्व. श्रीमती पाँचा देवी व्यास की स्मृति में उनके परिवार जनों ने जल मंदिर में वाटर कूलर भेंट किया। ट्रस्ट के नंद किशोर व्यास ने बताया कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए अस्पताल अधीक्षक डॉ सुनील हर्ष की प्रेरणा से मरीजों की सुविधा के लिए यह वाटर कूलर स्थापित किया गया है। व्यास ने बताया 80 लीटर वाटर कूलिंग की क्षमता वाले कूलर से अस्पताल में मरीजों को सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर डॉ सुनील हर्ष ने कहा कि भीषण गर्मी में ट्रस्ट की ओर से दिया गया वाटर कूलर मरीजों व उनके तीमारदारों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर ट्रस्ट की संरक्षक भंवरी देवी ने कहा श्रीमगजी छगजी मैमोरियल ट्रस्ट द्वारा नर सेवा नारायण सेवा को ही लक्ष्य मानकर समाजोपयोगी कार्य किया जा रहा है। भविष्य में भी अस्पताल को ट्रस्ट की ओर से सेवाएं दी जाएगी। इस दौरान चन्द्रकला व्यास राजेंद्र पुरोहित, नंदकिशोर व्यास, गोपाल किशोर , नारायण किशोर, डॉअमित कुमार, लैब टेक्नीशियन गोपी व्यास सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मनुष्य के दुश्मन नहीं, हितकारी हैं समस्त पशु-पक्षी !

सोशल नेटवर्किंग साइट्स के फायदे भी बहुत हैं। हाल ही में फेसबुक पर राजस्थान के एक स्थानीय यू-ट्यूब रील्स कलाकार(कामेडियन) की एक फेसबुक पोस्ट देखी। पोस्ट ने इस लेखक को बहुत अधिक प्रभावित किया। दरअसल, यह पोस्ट भीषण गर्मी में रेगिस्तान में पशुओं को पानी पिलाने के संदर्भ में थी। राजस्थान में रेगिस्तानी धोरों (रेत के टीलों) के बीच बने एक कुंड से, राजस्थान का यह स्थानीय कलाकार रेगिस्तान में आवारा/लावारिस गाय के बछड़ों को कुंड से पानी निकाल कर पिला रहा था और दर्शकों से भी आवारा/लावारिश पशुओं/पक्षियों को पानी पिलाने की गुहार कर रहा था। हमारे हिन्दू धर्म में पानी पिलाने को सबसे बड़ा धर्म व परोपकार माना गया है। सच तो यह है कि हमारी भारतीय सनातन संस्कृति में परोपकार को दान और सेवा के रूप में वर्णित किया गया है। वास्तव में परोपकार हमारे देश की पुरानी परंपरा होने के साथ-साथ ही हम भारतीयों के जीवन का अभिन्न हिस्सा है।कहना ग़लत नहीं होगा कि धर्म, संस्कृति और समाज के हरेक पहलू में दान, सेवा और परोपकार का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। हमारे यहां तो क्या खूब कहा गया है कि -'परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः परोपकाराय वहन्ति नद्यः।परोपकाराय दुहन्ति गावः परोपकारार्थ मिदं शरीरम्।।' अर्थात तात्पर्य यह है कि- परोपकार के लिए वृक्ष फल देते हैं, परोपकार के लिए ही नदियाँ बहती हैं और परोपकार के लिए गाय दूध देती हैं।अर्थात् यह शरीर भी परोपकार के लिए ही बना है। सद्गुरु कबीर जी ने भीबड़े ही सरल व स्पष्ट शब्दों में कहा है कि 'चिड़ी चोंच भर ले गई, नदी न घटियो नीर।दान दिए धन न घटे, कह गए दास कबीर। ' गर्मियों में हम जल संरक्षण करें और पशु ही नहीं पक्षियों के लिए भी समुचित पानी की व्यवस्थाएं करें।पाठक जानते हैं कि पहले के जमाने में रेगिस्तानी इलाकों/दूर-दराज के क्षेत्रों में पानी के लिए प्याऊ लगाई जाती थी, पशुओं के लिए खेतों में जगह-जगह पर पानी की खैली की व्यवस्था की जाती थी, ताकि भीषण गर्मी के सीजन में उनकी प्यास बुझाई जा सके। इस लेखक ने देखा कि फेसबुक पोस्ट में दो बछड़े पानी के टांके/कुंड/हौद के पास

सुनील कुमार महला,

फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

खड़े थे, लेकिन वे(अमूक प्राणी) पानी नहीं पी सकते थे, कुंड/टांके/हौद के पास सीमेंट से बना एक गोल बरतननुमा पात्र भी वहां रखा हुआ था, लेकिन वह रेगिस्तानी धोरों के बीच सूख गया था। स्थानीय कलाकार ने कुंड/टांके के पास रखी बाल्टी से पानी निकाल कर इन दोनों बछड़ों को पिलाया। अभी अप्रैल का महीना ही चल रहा है, आने वाले समय में भीषण गर्मी पड़ने की पूरी संभावनाएं हैं, जैसा कि ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव आज हर तरफ है और वर्ष 2024 और 2025 पिछले वर्षों की तुलना में काफी गर्म बताये जा रहें हैं। बहरहाल, ऐसा भी नहीं है कि आज धर्मार्थ पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्थाएं नहीं की जातीं हैं, अनेक लोग, विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाएं और अनेक भामाशाह ऐसे पुण्य कार्यों के लिए आगे आ रहे हैं, लेकिन बावजूद इसके विशेषकर गर्मियों के मौसम में हमें पशु-पक्षियों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। रेगिस्तानी इलाकों में (दूर-दराज के क्षेत्रों में) जहां पानी के कुंड/टांकों की उपलब्धता है, उनको पानी से भरकर रखा जाना चाहिए और पानी की खैली की समुचित व्यवस्थाएं आवारा लावारिश पशुओं के लिए होनी चाहिए। पशु-पक्षी मनुष्य की तरह बोलकर अपनी भावनाओं का इजहार भूख-प्यास के लिए नहीं कर सकते हैं, यह तो हम मनुष्यों का ही दायित्व बनता है कि हम इन बेजुबान आवारा लावारिश पशुओं, पक्षियों की भावनाओं को समझें क्यों कि ये पशु-पक्षी ही हमारी खाद्य श्रृंखला के कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में अंग हैं। हमारी खाद्य श्रृंखला बनी रहेगी तो धरती की पारिस्थितिकी और पर्यावरण भी बना रहेगा और हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि धरती का पर्यावरण और पारिस्थितिकी है तभी तो हमारा भी अस्तित्व है। हमें यह याद रखना चाहिए कि मनुष्य की भांति ही पशु, और पक्षी भी सचेतन जीव हैं और इनमें ममता, वात्सल्य, और स्नेहभाव होता है, हम इन्हें स्नेह और प्यार देंगे तो हमें आत्मिक सुख और खुशी का तो अनुभव होगा ही, साथ ही साथ यह मनुष्यता का भी प्रतीक है। याद रखिए कि मनुष्य पशु-पक्षियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकता है ,जैसा कि पशु-पक्षी पर्यावरण के संतुलन और स्वच्छता में मदद करते हैं।पक्षी भोजन, औषधि, उर्वरक, और मधुर गीत देते हैं।इनसे हमारा पर्यावरण समृद्ध है।पक्षी कीटों को नष्ट करके जैव नियंत्रण में मदद करते हैं। यहां तक कि पक्षियों का सांस्कृतिक और प्रतीकात्मक महत्व भी है।पक्षी स्वतंत्रता, शांति, और ज्ञान के प्रतीक हैं। पाठक जानते होंगे कि मानव-पशु-पक्षी संबंधों के बारे में हमारे शास्त्रों में भी वर्णन मिलता है। कहना चाहूंगा कि हम घायल या पीड़ित पशु-पक्षियों के लिए हम आश्रय, उपचार, और भरण-पोषण की व्यवस्था कर सकते हैं, उनके लिए गर्मियों में पानी की व्यवस्थाएं कर सकते हैं। अंत में यही कहूंगा कि मनुष्य और पशु एक-दूसरे पर न केवल निर्भर हैं बल्कि पूरक भी हैं।दोनों का अस्तित्व ही खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है। हमें यह याद रखना चाहिए कि यदि जंगल से एक जीव(पशु-पक्षी)लुप्त हो जाता है तो उसका असर सम्पूर्ण पर्यावरण व हमारी पारिस्थितिकी पर पडना़ स्वाभाविक व लाज़िमी ही है।

प्रकृति का श्रृंगार परिवर्तन और सत्य मानवीय जीवन की ऊर्जा

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है कि"सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीमित ऊर्जा और अतुल्य बल प्रदान कर सकती है" यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है, यह तो सत्य है कि सत्य की शक्ति अत्यंत व्यापक एवंसर्वकालीन है।

यह तो सत्य है कि मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानो में समय-समय पर मूल्यों का स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन प्रकृति का आधारभूत नियम है। विकास में धन की आवश्यकता अवश्य होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों, आवश्यकताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम,सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि 'सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का 'सांच को आंच नहीं' जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित

संजीव ठाकुर, स्तंभकार,

चिंतक,लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़,

"सत्यमेव जयते" आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मों से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है।

यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद तो भोग दर्शन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और आर्थिक तत्व का महत्व वैश्विक तथा आंतरिक जीवन का सबसे प्रमुख निर्धारक तथ्य बनने लगा। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी, उदारवादी संस्कृति के विकास का प्रभाव पूरे विश्व पर पर्याप्त मात्रा में पड़ा और वैश्विक स्तर पर मूल्यों में नैतिक स्तर पर परिवर्तन आने लगे।

आधुनिक युग वैश्वीकरण, उदारीकरण और आर्थिक विकास का युद्ध इस युग में अर्थ अथवा धनबल अपनी अकूत शक्ति के बल पर पूरी सभ्यता व व्यवस्था का केंद्रीय तत्व बनकर उभरा है। धन बल पर आधारित इस युग में स्थिति यह बन गई है कि राजनीति, समाज, धर्म ,अध्यात्म ,अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण ,ज्ञान विज्ञान ,जीवन दर्शन सभी अर्थ व धन के निर्देशों के अनुरूप ही चलन में आ गए हैं। धन के बल पर आज पारिवारिक संबंधों सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा राजनैतिक शक्ति,संतुलन, आध्यात्मिक स्तर पर प्रभाव नैतिक स्तर पर सहमति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल प्रभावित ही नहीं कर रहे हैं अपितु उन्हें लगभग खरीदने की ताकत रखने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके बावजूद सत्य के मूल्य को और उसकी सार्वभौमिकता को दबाना या शांत करना या उसके दमन के लिए उसे विवश करना लगभग असंभव है। वैश्विक स्तर पर कुछ अमीर देश और मुट्ठी भर धनाढ्य व्यक्ति इस बात को मान्यता देते हैं कि जब ,धन बोलता है तो सत्यम मौन रहता है, पर सार्वजनिक रूप से ऐसा मानना तार्किक स्तर पर जरूर ठीक लगता हो पर दार्शनिक अथवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से यह पूर्ण रूप से असत्य भी है। पारिवारिक सामाजिक स्तर पर भी देखें तो समाज के नैतिक मूल्यों में आई गिरावट के परिणाम स्वरूप सामाजिक प्रतिष्ठा उसी को प्राप्त होती है जिसके पास पर्याप्त तथा अकूत धन हो। धनवान व्यक्ति की विचारधारा उसकी मान्यताओं को समाज महत्व देता है एवं उसे प्रेरणा का स्रोत माना जाता है। निर्धन व्यक्ति कितना भी विद्वान ऊर्जावान हो उसकी बातें सत्य पूर्ण सत्य तथा उदास बातें भी समाज में कई उदाहरणों में महत्वहीन हो जाती है। धन तथा बाहुबल के महत्व के अनेक उदाहरण राजनीतिक स्तर पर प्रतिदिन हमारे सामने आने लगे हैं। राजनीतिक जीवन में धन के बल पर किए जाने वाले भ्रष्टाचार, चुनाव में धांधली, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, पार्टियों पर अनुचित प्रभाव मीडिया चैनल न्यूज़ प्रिंट मीडिया आदि की खरीदारी सत्य के मूल्यों पर प्रश्नचिन्ह लगा देते हैं। आज धन व सत्ता का अनुचित प्रयोग सत्य का दमन तथा उसे नकारने की शक्ति बन चुका है। कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सर्वे के अनुसार उसके सूचकांक में भारत का निम्न स्थान धन के बल पर सत्ता प्रतिष्ठानों को प्रभावित करने बढ़ती घूसखोरी, सरकारी गैर सरकारी, कारपोरेट जगत के बढ़ते नैतिक पतन को उजागर करता है। विधायिका, न्यायपालिका तथा कार्यपालिका सभी स्तरों पर सत्य के मूल्य के दमन की घटनाओं से आज अखबार अटा पड़ा है। आज की स्थिति में निचले स्तर से उच्च स्तर की अदालतों तक न्याय पाने के लिए महंगे वकील करने के लिए धन की अत्यंत आवश्यकता होती है, न्याय भी अब धन पर आधारित हो गया है। न्याय पाना अब गरीबों का हक नहीं रह गया है,यह केवल अमीर लोगों की मुट्ठी में बंद होकर रह गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिखने वाली बराबरी अनेक बार सत्य को दबाकर दादागिरी के बल पर अमीर देशों की जिद की भेंट चढ़ जाती है। अमीर देशों की धन के दम पर दादागिरी कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों में दिखाई देती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन पर होने वाले वैश्विक सम्मेलन इसीलिए भी असफल होते दिखाई दिए हैं। क्योंकि अमीर देश कार्बन उत्सर्जन की मात्रा की जिम्मेदारी ज्यादा जनसंख्या वाले विकासशील देशों के सिर पर डाल देते हैं। सत्य की मनमानी व्याख्या आधुनिक युग की सच्चाई है सत्य का दमन इस स्तर पर पहुंच चुका है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत स्तर पर दिन में कितनी बार धनबल के दबाव में अपने अंतःकरण से समझौता कर अपनी सहज प्रवृत्ति का दमन करने से नहीं चूकता है।

राष्ट्र के सजग पथ प्रदर्शक थे डा. भीमराव आम्बेडकर

बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर हमारे देश के संविधान के निर्माता ही नहीं अपितु दुनिया के सबसे बड़े राजनेताओं में से एक थे। उनकी दूर दृष्टि, उनके ज्ञान, लोगों को समझने का उनका नजरिया, जाति प्रथा के विरुद्ध उनके तेवर को देखते हुए ही उन्हें भारतीय संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया था। ताकि भारत का संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक हो। आज हम देखते हैं कि बाबा साहेब आम्बेडकर के नेतृत्व में रचित भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र का एक सजग प्रहरी बनकर खड़ा हुआ है। जहां कहीं भी सरकार द्वारा नियम विरुद्ध कुछ किया जाता है तो संविधान उन्हें उनके कर्तव्य पथ की याद दिलाकर सही राह पर चलने की प्रेरणा देता है। भारत का संविधान आज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक माना जाता है जिसका श्रेय बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर को जाता है। डॉ. भीमराव आम्बेडकर का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है क्योंकि इसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को आकार देने में मदद की। पुरानी और पुरातन मान्यताओं से प्रगति लाकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था।

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबा साहेब आम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था। बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव आम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती।

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले बनें। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था।

डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है।

जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.आम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.आम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। आम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

डा.आम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान आम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को आम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा.आम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे।

आम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में आम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। आम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। बाबा साहब ने शिक्षित बनों, संगठित रहो तथा संघर्ष करो का नारा दिया था। शिक्षित बनने का अर्थ है कि हमारे ज्ञान के द्वार खुलते हैं और संगठित रहो का मतलब शक्ति प्राप्त करना हैं।

महाराणा प्रताप से लेकर राणा सांगा तक

इसकी तुलना सदियों से प्रेम के अस्तित्व को सजीव करती इस गाई जाने वाली ढोला मारू की प्रेम-कहानी से करें तो इसमें पिंगल देश की राजकुमारी अदम्य सूझबूझ और पराक्रम का परिचय देती है और नरवर राजकुमार साल्हकुमार को भी बचाती है। वर्णन है कि उमरा-सुमरा साल्हकुमार को मारकर राजकुमारी को हासिल करने के लिए रास्ते में जाजम बिछाकर और महफिल सजाकर बैठ जाता है। जब राजकुमार साल्हकुमार राजकुमारी को लेकर उधर से गुजरता है तो ये उसे मनुहार कर रोक लेते हैं। फ़िर अफ़ीम का दौर चल पड़ता है। मारू देश का ढोली इस षड्यंत्र के बारे में राजकुमारी को बता देता है।

वीरों की भूमि राजस्थान की छटा सच ही इंद्रधनुषी है। पर, यह भी सच है कि राजस्थान का नाम सुनते ही मन में पाठ्य-पुस्तकों में वर्णित शौर्य, वीरता, ओज के किस्से ही याद आते हैं, या फ़िर याद आता है- सिनेमा में दिखाया गया 'रंगीला राजस्थान'। गंभीरता से विचार करने पर यही परिलक्षित होता है कि अन्य रंग भले ही कम न हों, शौर्य और प्रेम का रंग ही प्रमुखता से समुद्घाटित हुआ है। तभी तो कहा गया है-

इस भाव-भूमि के साथ अगर राजस्थानी इतिहास और साहित्य की अवगाहन करें तो युद्ध-कौशल के कुछ नायाब उदाहरण मिलते हैं, जिनसे हम बहुत कुछ सीख सकते हैं

प्रथमतः, साहित्य में भी ढोला-मारू की जिस प्रेम कहानी को हम पढ़ते आए हैं, उसमें भी युद्ध कला के कुछ महत्त्वपूर्ण नियम हैं- चौकस रहना, सहभागिता आदि। एक तथ्य पर कम ही लोगों का ध्यान गया है कि सोच में राजस्थानी स्त्री-शक्ति कितनी आगे थीं। आज भी हिंदी फिल्मों में नायिका को मुसीबत में फंसी दिखाया जाता है, जिसे नायक अपने शौर्य-पराक्रम और सूझ-बूझ से बचाता है।

इसकी तुलना सदियों से प्रेम के अस्तित्व को सजीव करती इस गाई जाने वाली ढोला मारू की प्रेम-कहानी से करें तो इसमें पिंगल देश की राजकुमारी अदम्य सूझबूझ और पराक्रम का परिचय देती है और नरवर राजकुमार साल्हकुमार को भी बचाती है। वर्णन है कि उमरा-सुमरा साल्हकुमार को मारकर राजकुमारी को हासिल करने के लिए रास्ते में जाजम बिछाकर और महफिल सजाकर बैठ जाता है। जब राजकुमार साल्हकुमार राजकुमारी को लेकर उधर से गुजरता है तो ये उसे मनुहार कर रोक लेते हैं। फ़िर अफ़ीम का दौर चल पड़ता है। मारू देश का ढोली इस षड्यंत्र के बारे में राजकुमारी को बता देता है। राजकुमारी ऊंट को जोर से एड़ी मारती है, जि?ससे ऊंट भागने लगता है। राजकुमार ऊंट को रोकने आता है। पर, जैसे ही वह क़रीब आता है, राजकुमारी कहती है - 'बड़ा जाल बिछा है, जल्दी ऊंट पर चढ़ो, ये तुम्हें मारना चाहते हैं।' इस तरह वह राजकुमार का जीवन बचाते हुए निकल पड़ती है और सीधे नरवर पहुंचकर ही रुकती है।

शताब्दियों पूर्व राजस्थान की धरती से नारी-सशक्तीकरण की ऐसी अनुगूंज का सुनाई देना एक विलक्षण घटना ही तो है। और यह इकलौता उदाहरण नहीं है। हाड़ा रानी की कहानी हम सबने पढ़ी है, जिन्होंने अपने पति रतन सिंह को युद्ध में जाते समय निशानी के तौर पर अपना सिर ही दे दिया था कि वे मोहाविष्ट न हों। यह सीख है कि युद्ध में मोह लेकर नहीं जाना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि वीर पूरे भारत में हुए हैं। पर हां, राजस्थानी वीरों की कहानी से हमें युद्ध-कला के कई अप्रतिम उदाहरण मिलते हैं। कहीं पढ़ी श्री श्याम नारायण पाण्डेय जी की कविता 'राणा प्रताप की तलवार' की आरंभिक पंक्तियां बरबस याद आती हैं - आश्चर्य होता है कि कवच, भाला, ढाल और तलवार को मिलाकर लगभग 200 किलो का वजन था, और तलवार के एक ही वार से बख्तावर खलजी को टोपे, कवच, घोड़े सहित एक ही झटके में काट दिया था। अपने से कई गुणा बड़ी सेना को नाकों चने चबवाने के लिए महाराणा प्रताप के युद्ध-कौशल को ध्यान से देखने की आवश्यकता है। चित्तौड़ के जयमाल मेड़तिया ही नहीं जिन्होंने एक ही झटके में हाथी का सिर काट डाला था, बल्कि करौली के जादोन राजा, जोधपुर के जसवंत सिंह जी, वीर जुंझार आलाजी भाटी, रायमलोत कल्ला, जयमाल और कल्ला जी, आउवा के ठाकुर खुशाल सिंह आदि अनेकानेक उदाहरण हैं, जिससे हर देशवासी का मस्तक गर्व से उठ जाता है। पर, शौर्य और नेतृत्व के लिहाज़ से राणा सांगा की कहानी ग़ौर करने की है। जैसा नेतृत्व उनका था और जो सम्मान उनके मातहत उनको देते थे, यह आज के प्रबंधन पाठ्यक्रम में शामिल होने लायक है। उदयपुर के सिसोदिया राजवंश के राजा महाराणा सांगा (राणा संग्राम सिंह) ने मेवाड़ के सिंहासन पर विराजमान रहकर दिल्ली के लोदी, मालवा के नसीरुद्दीन शाह, और गुजरात के महमूद शाह की सयुक्त सेना के दांत खट्टे कर दिए थे। आगे बाबर के साथ भी हुए युद्ध में उनके व्यक्तित्व का और मज़बूत पक्ष सामने आता है। उनके बारे में यह गाना हम सब जानते ही हैं- तथ्यात्मक रूप से देखें तो बाबर के पास तोपखाना था, जिसका मुकाबला तलवार और भालों से नहीं किया जा सकता। पर, 'जय भवानी' के उद्घोष के साथ राजस्थान के रणबांकुरों ने अद्भुत शौर्य और वीरता का परिचय दिया और बाबर की सेना को गाज़र-मूली की तरह काटना शुरू किया और फिर हंस- हंसकर तोप के गोले अपनी छाती पर झेल लिए। नायक उदाहरण प्रस्तुत करता है' का वे खुद एक बेजोड़ उदाहरण थे। वर्णन है कि जितने दिन भी वे जीवित रहे, सदैव युद्धरत ही रहे।

अपनी जिंदगी के इन पलों को दोबारा जीना चाहते हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव की आने वाली कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। फिल्म टाइम लूप की कहानी पर आधारित है। जिसमें राजकुमार राव की शादी होनी है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान राजकुमार राव ने बताया कि वो अपने जीवन के किन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे। इसमें उन्होंने अपनी पहली फिल्म से लेकर 'स्त्री 2' तक के समय का जिक्र किया।

इन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे राजकुमार

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए राजकुमार राव ने बताया कि वो अपने जीवन के इन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे। अभिनेता ने कहा, किसी भी बाहर से आने वाले एक्टर के लिए पहली फिल्म मिलना काफी बड़ी बात होती है। मेरे साथ 2010 में ऐसा हुआ था। मैं उस पल को बार-बार जीना चाहूंगा। मैं उस पल को दोबारा जीना चाहूंगा जब मेरी मां मेरे साथ थीं। जब मैंने पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था। फिर जब स्त्री 2 रिलीज हुई और पहले दिन बॉक्स ऑफिस के जो आंकड़े आए मैं चौंक गया था। हम सोच में पड़ गए कि क्या हो गया। शादी के दिन को बार-बार जीने की इच्छा अभिनेता ने आगे कहा, मैं उस दिन को भी बार-बार जीना चाहूंगा जब 2021 में मैंने पत्रलेखा से शादी की थी। मेरी शादी के तीनों दिन बहुत खूबसूरत थे और मैं इसे बार-बार जीना चाहूँगा। फेरे बहुत खूबसूरत थे। इसके अलावा पहली बार जब मैंने पत्रलेखा को गलियारे में चलते देखा, तो मैं उसे फिर से जीना चाहूंगा।

9 मई को रिलीज होगी 'भूल चूक माफ'

राजकुमार राव और वामिका गब्बी स्टारर 'भूल चूक माफ' 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन करण शर्मा ने किया है। जबकि फिल्म का निर्माण दिनेश विजन के मेडॉक फिल्म्स ने किया है। मेडॉक और दिनेश विजन के साथ राजकुमार राव की ये आठवीं फिल्म है। इसको लेकर राजकुमार राव काफी उत्साहित हैं।

सीरीज द रॉयल्स को लेकर उत्साहित हैं भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज द रॉयल्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस सीरीज में अपने रोल से लेकर सीरीज के बारे में भूमि ने कई बातों से पर्दा उठाया है। द रॉयल्स में भूमि एक ग्लैमरस और ताकतवर उद्यमी का किरदार निभा रही हैं। यह उनकी पहले की फिल्मों से बिल्कुल अलग है। भूमि की सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया, जिसे देखने के बाद फैंस की उम्मीदें इस सीरीज से और अधिक बढ़ गई हैं। हिंदी सिनेमा में 10 साल पूरे करने के बाद भूमि अब ओटीटी पर कदम रख रही हैं। द रॉयल्स में भूमि के अलावा ईशान खट्टर भी नजर आएंगे। इस सीरीज में उनका किरदार नया और बिल्कुल अलग है। एक खबर के मुताबिक भूमि ने कहा, वह इस सीरीज को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन अपनी उम्मीदें कम रखती हैं। उन्हें अब तक दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और लोग उन्हें ईशान के साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। भूमि और ईशान की जोड़ी को फैंस पसंद कर रहे हैं। भूमि का कहना है कि दर्शकों का प्यार देखकर खुशी होती है। अपने 10 साल के करियर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि दम लगा के हईशा से लेकर द रॉयल्स तक का सफर उनके लिए खास रहा है। भूमि ने आगे कहा कि वह अपने किरदारों के लिए बदलाव करने को तैयार रहती हैं। द रॉयल्स के साथ भूमि ओटीटी पर कदम जमाने वाली हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

'अकाल' में करण जौहर के साथ काम कर उत्साहित हूं

निर्देशक-अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल की पीरियड ड्रामा 'अकाल - द अनकॉन्क्वेर्ड' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि करण जौहर बेहतरीन फिल्म निर्माता और इंसान हैं। अकाल के लिए उनके साथ हाथ मिलाकर एहसास हुआ कि उनकी फिल्म भाषा की सीमाओं को पार कर देशभर के दर्शकों को देखने को मिलनी चाहिए। गिप्पी ने कहा, हमें लगा कि हमारी फिल्म सीमाओं से बाहर निकलनी चाहिए। इसे पंजाबी दर्शकों के साथ ही देश भर के दर्शक देख सकें। इसलिए, हमने फिल्म को हिंदी में रिलीज किए जाने का फैसला लिया। पंजाब में हम तमिल और तेलुगू फिल्में हिंदी में देखते हैं। तो, हमारी फिल्मों को भी लोग देख सकें। उन्होंने आगे बताया, करण जौहर बेहतर निर्माता हैं। हमने पहली मीटिंग में ही सब कुछ तय कर लिया था। इसलिए, करण के साथ अगली मीटिंग में काम और भी तेजी से हुआ। गिप्पी ने कहा कि करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शंस के माध्यम से फिल्म हिंदी में प्रस्तुत की जा रही है, जो इसकी विशेषता को बढ़ाने वाली है। करण के साथ काम करके काफी उत्साहित हूं। सभी को लगता है कि फिल्म को लेकर हमारी पहुंच बढ़ गई है। फिल्म को लोग हिंदी में भी देख सकेंगे। बाकी, तो सबकुछ फिल्म की कहानी और कलाकारों पर ही निर्भर करता है। अकाल - द अनकॉन्क्वेर्ड फिल्म 1840 दशक के पंजाब पर आधारित है।

रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर शेयर की थामा की शूटिंग अपडेट

पुष्पा फेम अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आगामी हॉरर फिल्म थामा की शूटिंग में व्यस्त हैं। थामा एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना नजर आएंगे। आज थामा की अभिनेत्री रश्मिका ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग को लेकर एक अहम जानकारी शेयर की है और साथ ही अपने फैंस से एक खास सवाल का जवाब भी मांगा है। रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपना 29वां जन्मदिन मनाया। वहीं वह इस दौरान अपनी आगामी हॉरर फिल्म थामा की शूटिंग में व्यस्त रहीं। इसी फिल्म को लेकर रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है और साथ ही अपने प्रशंसकों से फिल्म को लेकर एक खास सवाल भी पूछा है, जिसे देखने के बाद रश्मिका के फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर थामा के लोकेशन की एक तस्वीर शेयर की और साथ ही नोट भी लिखा। रश्मिका ने घने पेड़ों के बीच डूबते हुए सूरज की एक तस्वीर शेयर की है और साथ ही लिखा, कुछ दिनों के लिए रात में शूटिंग। आपको इस पोस्ट में सिर्फ चांद या फिर कैमरे की लाइट और सितारे ही दिखाई देंगे। इस नोट के साथ रश्मिका ने अपने फैंस से एक सवाल भी पूछा। क्या आप बता सकते हैं कि यह कौन सा शहर है, जो दिखाई नहीं दे रहा। क्या आप सहमत हैं?

हॉरर फिल्म थामा इस दिवाली सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना के अलावा आयुष्मान खुराना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज मिलकर कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका मंदाना फिल्म थामा के अलावा कुबेर नाम की फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म में रश्मिका के साथ साउथ अभिनेता धनुष नजर आएंगे। कुबेर इस साल 20 जून को रिलीज होगी। यह फिल्म शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक ड्रामा तमिल फिल्म है।

विजय सेतुपति की फिल्म में अहम किरदार में नजर आएंगी तब्बू

साउथ फिल्मों में बॉलीवुड अभिनेत्रियों के काम करने का चलन काफी पुराना है, जिसमें कियारा आडवाणी से लेकर कई अभिनेत्रियों के नाम शामिल हैं। हाल ही में फिल्म देवरा पार्ट 1 जान्हवी कपूर ने लीड रोल निभाया था। वहीं अब एक और अभिनेत्री हैं, जो विजय की फिल्म में नजर आएंगी। हालांकि, वह पहले भी कई साउथ फिल्मों में अपना हुनर दिखा चुकी हैं।

एक खबर के मुताबिक, विजय सेतुपति और पुरी जगन्नाथ की आगामी फिल्म की घोषणा कुछ दिन पहले हुई थी। अब फिल्म को लेकर अपडेट आया है कि इस फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू अहम किरदार में नजर आएंगी। बहरहाल, इस फिल्म को लेकर तब्बू से बातचीत चल रही है।

इंस्टाग्राम पर शेयर किया था फिल्म को लेकर विजय ने पोस्ट

विजय सेतुपति ने आज से छह दिन पहले उगादि के अवसर पर अपनी नई फिल्म की घोषणा एक तस्वीर शेयर करके की थी, जिसमें विजय के साथ पुरी नजर आए। विजय ने कैप्शन में लिखा, एक सनसनीखेज सहयोग के साथ एक नए रोमांचक अध्याय की शुरुआत। शानदार निर्देशक पुरीजगन्नाथ और दमदार कलाकार मक्कलसेल्वन ने सभी भारतीय भाषाओं में एक शानदार फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होगी।

पहले भी कई साउथ फिल्मों में नजर आ चुकी हैं तब्बू

तब्बू ने कई साउथ फिल्मों में काम किया है, जिनमें कुली नंबर 1 तेलुगु फिल्म है, जिसमें तब्बू ने वेंकटेश के साथ काम किया था। निन्ने पेल्लादथा और आविदा मां आविदे तेलुगु फिल्में हैं, जिनमें तब्बू ने नागार्जुन के साथ काम किया है। प्रियूरलु पिलीचिंडी भी एक तमिल फिल्म है, जिसमें तब्बू ने काम किया है। अला वैकुंठपुरमुलु भी एक तेलुगु फिल्म है, जिसमें तब्बू ने अल्लू अर्जुन के साथ काम किया है। हाल ही में तब्बू बॉलीवुड फिल्म क्रू और हॉलीवुड सीरीज ड्यून- प्रोफेसी में नजर आईं। इसके अलावा वह अक्षय कुमार की आगामी फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगी।

सोचता हूं कि अपने ही देश में डरकर क्यों जी रहा हूं, यहां ऐसे जीना खलता है

वेब सीरीज स्कैम 1994 में हर्षद मेहता के रूप में अपने अभिनय की चमक बिखेरने वाले ऐक्टर प्रतीक गांधी अब दो और महान हस्तियों को पर्दे पर जीने जा रहे हैं। इनमें एक तो हंसल मेहता की वेब सीरीज गांधी है, जिसमें वह महात्मा गांधी के रूप में दिखेंगे। वहीं, फिल्म फुले में वह महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की भूमिका में हैं।

हैरत की बात है कि ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक पर पॉपुलर सिनेमा में इतने वक्त बाद फिल्म बन रही है? उनका किरदार निभाते हुए आपने उनके व्यक्तित्व से सीखा?

यह बहुत वाजिब सवाल है कि अब तक फिल्म क्यों नहीं बनी। वैसे, हैरानी तो इस बात पर भी होनी चाहिए की उन्होंने अपने जीवन का जो सबसे पहला स्कूल खोला था, वह इतनी जर्जर हालत में है कि देखकर लगेगा कि वह कभी भी टूट सकता है। किसी को यह विचार नहीं आया कि इस धरोहर को संभालकर रखना चाहिए। बहरहाल, मैंने तो बहुत सारी चीजें सीखीं। सबसे बड़ी बात जो मुझे लगी है वो यह कि आप सेल्फलेस होकर कैसे जी सकते हैं। उन्होंने अपने बारे में कभी नहीं सोचा। दूसरे, जो बात सच लगे उसके साथ बिना डरे खड़ा होना। मतलब, किसी चीज को पूरा समाज सही मानता है, मगर वो आपको गलत लगती है तो उसे गलत कहने की हिम्मत रखना। आज के समय में इसकी बहुत जरूरत है। अभी अहिंसा में कोई यकीन नहीं रखता। अभी तो कोई चीज बुरी लगी मतलब खत्म। मुझे यह सब देखकर बहुत दुख होता है। पता नहीं ये कैसे बदलेगा, मगर उम्मीद है कि एक दिन आएगा, जब सब अच्छा होगा।

फुले के अलावा, वेब सीरीज गांधी में आप महात्मा गांधी की भूमिका भी निभा रहे हैं। जबकि, गांधी पर इतनी नामी फिल्में बन चुकी हैं। आप लोग क्या नया दिखा रहे हैं? स्कैम 1994 के बाद हंसल मेहता संग दोबारा जुड़ने का अनुभव कैसा रहा?

यह सही है कि महात्मा गांधी पर कई फिल्में बहुत बनी हैं, मगर सीरीज पहली बार बनेगी। मेरे हिसाब से गांधी जी का जीवन सफर लॉन्ग फॉर्मेट में ही सबसे अच्छे से दर्शाया जा सकता है। इतनी बड़ा जीवन, इतना सारा काम है उनका। हमारा प्रयास गांधी जी के पूरे जीवन को शुरुआत से अंत तक दिखाने का है। हमने अभी पहला सीजन ही खत्म किया है, दो और सीजन अभी शुरू भी नहीं हुए हैं। रही बात हंसल सर के साथ काम करने की, तो वह बहुत मजेदार अनुभव रहा। हम बिना कुछ बोले भी एक दूसरे को समझ लेते हैं। उनके साथ मैं खुद को अच्छे से एक्सप्लोर कर पाता हूं, चैलेंज कर पाता हूं। उनकी स्टोरी टेलिंग मुझे वैसे ही बहुत पसंद है, जो बहुत नेचुरल है। यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे बड़ा और सबसे मजेदार एक्सपीरियंस था।

ज्योतिबा फुले के साथ उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चलीं। इस मामले में आपकी पत्नी भामिनी का आपके जीवन में कितना योगदान रहा?

बहुत बड़ा योगदान है। इतने सालों से मैं जो इतनी अलग-अलग चीजें कर पाया, वह उसके योगदान और सहारे के बिना नहीं हो सकता था। कई बार इतनी सारी चीजें एक साथ करने में आप सिर्फ भाग ही रहे हैं। हम बहुत कुछ अचीव करना चाहते है, उसमें कहीं न कहीं घर पीछे छूट जाता है। हम उतना समय नहीं दे पाते हैं। ऐसे समय में अपने जीवन साथी से आपको सिर्फ यही अपेक्षा रहती है कि वे आपको समझे और साथ दे। यह बहुत स्वार्थी सोच भी हो सकती है, मगर भामिनी ने उस वक्त में हंसते हुए मेरा साथ दिया और इतना इतना धैर्य रखा, जो बहुत बड़ी बात है। वरना हम यहां तक नहीं पहुंच पाते।

महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक को पर्दे पर जीना कितनी बड़ी जिम्मेदारी थी? उनके किरदार में ढलने के लिए क्या तैयारी रही?

हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह थी कि हमें इतिहास को बिना बदले एकदम ईमानदार तरीके से उनकी बात आप तक पहुंचानी थी, क्योंकि वह सिर्फ एक व्यक्तिव्य नहीं हैं। उन्हें समाज का एक पूरा वर्ग भगवान मानता है और सही कारणों से मानता है। हमारी कोशिश यह रही कि हम ना उन्हें किसी तरह से जज कर रहे हैं, न उन्हें अपने रंग में ढाल रहे हैं। हम सिर्फ उनकी बात आप तक पहुंचा रहे हैं। वहीं, बतौर ऐक्टर मेरी तैयारी का सबसे बड़ा पार्ट यह था कि मुझे उनके बारे में वे चीजें भी जाननी, समझनी थीं, जो स्क्रिप्ट में नहीं लिखी थीं। मुझे उनके व्यक्तित्व को समझना था ताकि बिना कुछ बोले भी अगर स्क्रीन पर खड़ा हूं तो लोगों को लगे कि वे ज्योतिबा फुले को देख रहे हैं और यह सिर्फ बाहरी दिखावे, फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से या कपड़ों से नहीं संभव था। उस पर चुनौती ये थी कि उनको जानने-समझने के लिए हमारे पास न कोई विडियो थे, न उनके कोई ऑडियो थे। तस्वीरें भी जो हैं, वे सिर्फ पेंटिंग है। हमारे पास किताबों में लिखा मटीरियल ही था, जिससे राइटर-डायरेक्टर अनंत महादेवन ने पूरी स्क्रिप्ट तैयार की।

टिकाऊ खेती में खरपतवार नियंत्रण का महत्व

देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ खाद्यान्नों की मांग को पूरा करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। गेहू एवं धान खाद्यान्न की ऐसी फसलें हैं, जिनमें गरीबी और भुखमरी की समस्या से लड़ने की अद्भुत क्षमता है। धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा हमारे देश की खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न फसल है। अधिक पैदावार देने वाली खाद एवं सिंचाई का अधिक उपयोग करने में एवं उन्नत किस्मों के प्रचलन से लगभग पिछले 2 दशकों में अनाज वाली फसलों एवं दलहन एवं तिलहन की पैदावार में व्यापक वृद्धि हुई है। फिर भी इसकी औसत पैदावार इसकी क्षमता से काफी कम है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिये सुधरी खेती की सभी प्रायोगिक विधियों को अपनाना आवश्यक है और जब तक हम उन वैज्ञानिक तरीकों को नहीं अपनाते है, उपज में आपेक्षित वृद्धि संभव नहीं है।

देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण-पोषण के लिये प्रति इकाई क्षेत्र समय एवं साधन से अधिक से अधिक उत्पादन करना नितांत आवश्यक है। इसके लिये सघन कृषि प्रणाली अपनाने के साथ-साथ उत्तम किस्म का चुनाव, सही समय पर बुवाई, संतुलित मात्रा में पोषक तत्व देना, उचित समय पर सिंचाई करना, फसल को कीड़ों, बीमारियों एवं खरपतवारों से बचा कर रखना बहुत जरूरी है जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, वरन उत्पादन कारकों की क्षमता भी बढ़ेगी तथा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

खरपतवारों से हानियां

- खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।
- खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट-व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।
- एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षमता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तिलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही हैं।

प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यत: तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें

फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

- स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले खाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार ऊग आते हैं। जब ये 2-3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग - बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहूं में गेहूं के मामा का बीज।

किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियों खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

जीरोटिलेज एवं फर्ब्स - धान-गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टिल मशीन से गेहूं की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहूं की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

उचित फसल चक्र अपनाकर - एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अत: आवश्यक है कि एक फसल को बार-बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाये। धान-गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अत: इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर - कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60-90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

यान्त्रिक विधि - खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30-35 दिन बाद एक बार निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है।

खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग - समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

ज्वार के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

अर्गट या गूंदिया रोग

रोग के लक्षण - दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्राव बूंदों के रूप में जमा होता है। बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी है।

रोकथाम - खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा 1 लीटर पानी घोलकर (0.2 प्रतिशत) छिड़काव करें।

कंडवा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंडवा रोग लगते हैं। इनका पता भुट्टा आने पर ही चलता है। आवृत कंडवा में भुट्टा के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंडवा में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती है- जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ कंडवा में भुट्टा के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनाएं बनती हैं। शीर्ष कंडवा में पूरा भुट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

शीर्ष कंडवा

रोकथाम - खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढककर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों की बुवाई पूर्व थाइरम 4 ग्राम या कार्बोक्सिन 2 ग्राम/किलो बीज दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जलीधारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, डेऊक्सेलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से है।

रोकथाम - ये रोग बीजोढ़ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अत: रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला दें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुआई के काम में न लें। रोगरोधी किस्में जैसे सीएसवी 10,15,17, सीएचएच 5,6,9,14 की बुवाई करें। चारे के लिए देशी किस्में बोयें। कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/ किलो बीज की दर से उपचारित करें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिषत का छिड़काव करें।

चारकोल तना सड़न रोग

रोग के लक्षण - इस रोग से तने के निचले भाग अथवा जड़ों पर पहले हल्के रंग के बाद में काले रंग के धब्बे बनते हैं तथा उसमें सड़न प्रारंभ हो जाती है। बहुधा इस प्रकार के पौधे झुण्डों में होते है तथा सूखकर गिर जाते हैं, इससे उपज में बहुत अधिक हानि होती है।

रोकथाम - यह रबी की ज्वार में नमी कम होने पर अधिक होता है, अत: नमी का मृदा में संरक्षण करें। संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति हैक्टेयर पौधों की संख्या अधिक या बहुत कम नहीं होनी चाहिए। ऐसी किस्में जो दाना पकते समय हरी रहती हों बोनी चाहिए क्योंकि इनमें चारकोल तना सड़न नही आता है।

सरसों में व्याधि प्रबंध

रोग एवं कीट व्याधियों का प्रबंधन वैसे तो सरसों की फसल पर एक दर्जन से अधिक रोग व कीट हानि पहुंचाते हैं परंतु प्रमुख रोग एवं कीट के नियंत्रण से भरपूर पैदावार की जा सकती है।

पत्ती झुलसन रोग - यह सरसों के झुलसा रोग के नाम से भी जाना जाता है इस रोग के लक्षण पत्ती पर गहरे भूरे गोल-गोल धब्बों के रूप में आते हैं तथा उपज में कमी के साथ तेल की मात्रा भी कम करते हैं। बचाव हेतु मेन्कोजेब 45 नामक दवा 2.5 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें 2-3 छिड़काव 15 दिन के अंतराल से करें।

श्वेत किट्ट या सफेद फफोला (व्हाइट रस्ट) रोग- शीत ऋतु में जब तापमान कम एवं कोहरा होने पर यह रोग बहुत तेजी से फैलता है इसके लक्षण पत्ती की निचली सतह पर सफेद दही जैसे संरचनाओं जैसे आकार के होते हैं बाद में पुष्प वृन्त एवं फलियों पर भी लक्षण दिखाई देते हैं फली अनियमित आकार की टेढ़ी-मेढ़ी केंकड़ा जैसी आकृति की हो जाती है नियंत्रण हेतु रिडोमिल एम जेड 72 नामक दवा 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें या 2.5 ग्राम मेन्कोजेब/लीटर पानी का छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर दो बार करें।

चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्ड्यू) - यह रोग तापमान बढ़ने पर अधिक तेजी से फैलता है रोग पत्तियों, तने व फलियों पर सफेद चूर्ण (पाउडर) जैसे संरचनाओं के रूप में फैलता है। नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक या सल्फैक्स 2 किलोग्राम दवा 800 लीटर पानी में घोल बनाकर/हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना सड़न या पोलियो रोग - एक ही खेत में बार-बार सरसों की फसल बोने से यह रोग बढ़ता है। इसके धब्बे सबसे पहले तने के निचले हिस्से में गोल-गोल आकृति के रूप में आते हैं, बाद में ऊपर तक फैल जाते हैं पौधा कमजोर होकर एवं तना पोला होकर रोगग्रस्त स्थान से टूट जाता है।

नियंत्रण हेतु - फसल चक्र अपनाएं एवं रोगग्रस्त पौधों को एकत्रित कर नष्ट करें गहरी जुताई करें, सरसों घनी न बोएं। बीजोपचार कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम दवा/किलो बीज के हिसाब से करें, तथा 1 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन, 65 दिन एवं 80 दिन की फसल पर छिड़काव करें, 2 प्रतिशत लहसुन का अर्क बीजोपचार एवं छिड़काव दोनों के लिए उपयुक्त एवं रोग को कम करता है।

कीट नियंत्रण

दगीला बग/बगराड़ा कीट (पेन्टेड बग)- राई सरसों की फसल को यह कीट दो बार नुकसान पहुंचाता है जब पौधे छोटे होते हैं तब और जब फली बनती है तब, कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही इसे चूसते हैं जिसकी पत्तियों और पौधों पर सफेद धब्बे स्पष्ट दिखाई देते हैं नियंत्रण हेतु पौधों के अवशेषों को नष्ट कर दें। मेड़ों को साफ रखें, फसल काटने के तुरन्त बाद गहरी जुताई करें जिससे प्रकोप कम होगा। डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 500 मि.मी. दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

माहू या चैंपा (एफिड) - इस कीट को लसा के नाम से भी जाना जाता है यह छोटे पंख एवं पंख रहित दोनों तरह के हरे, पीले रंग के होते हैं। कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही बढ़ने वाले भागों फूलों कलियों, फलियों आदि का झुण्डों में चिपककर रस चूसते हैं, पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पैदावार एवं तेल की मात्रा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है नियंत्रण हेतु समय पर बोनी करें, प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में कीट प्रभावित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दें डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 1 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अंतर से दो छिड़काव करें। मधु-मक्खियों की सुरक्षा के लिये कीटनाशकों का प्रयोग दोपहर के बाद करें।

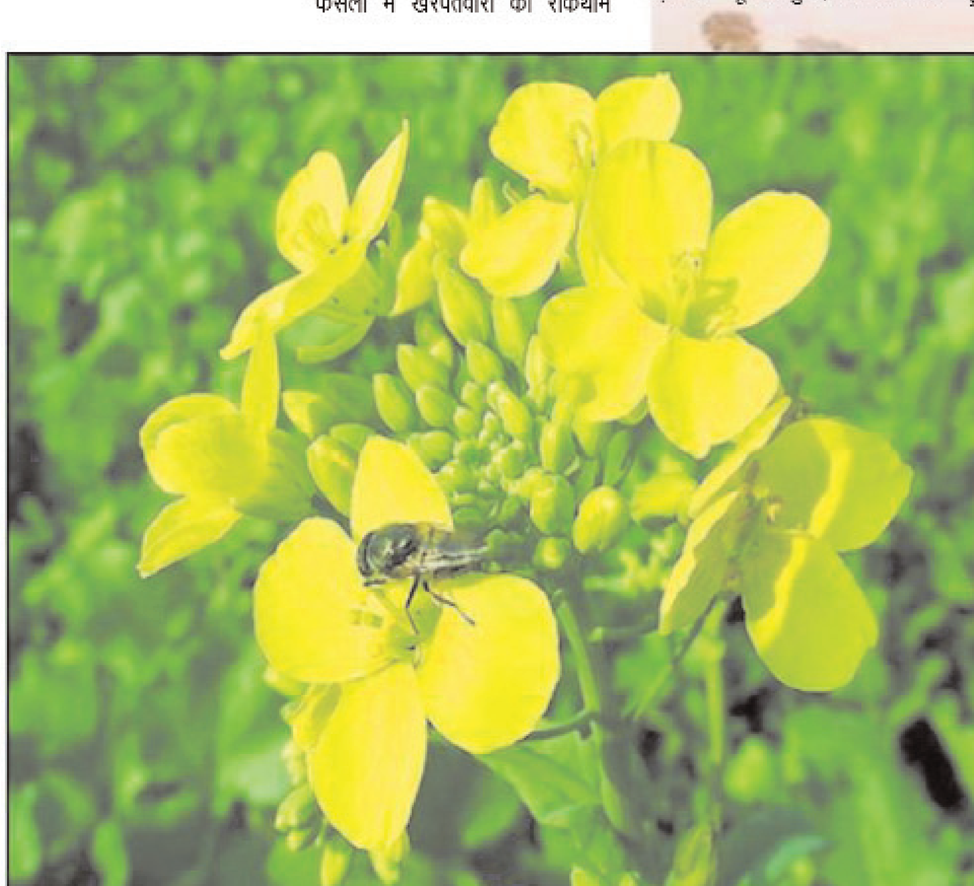

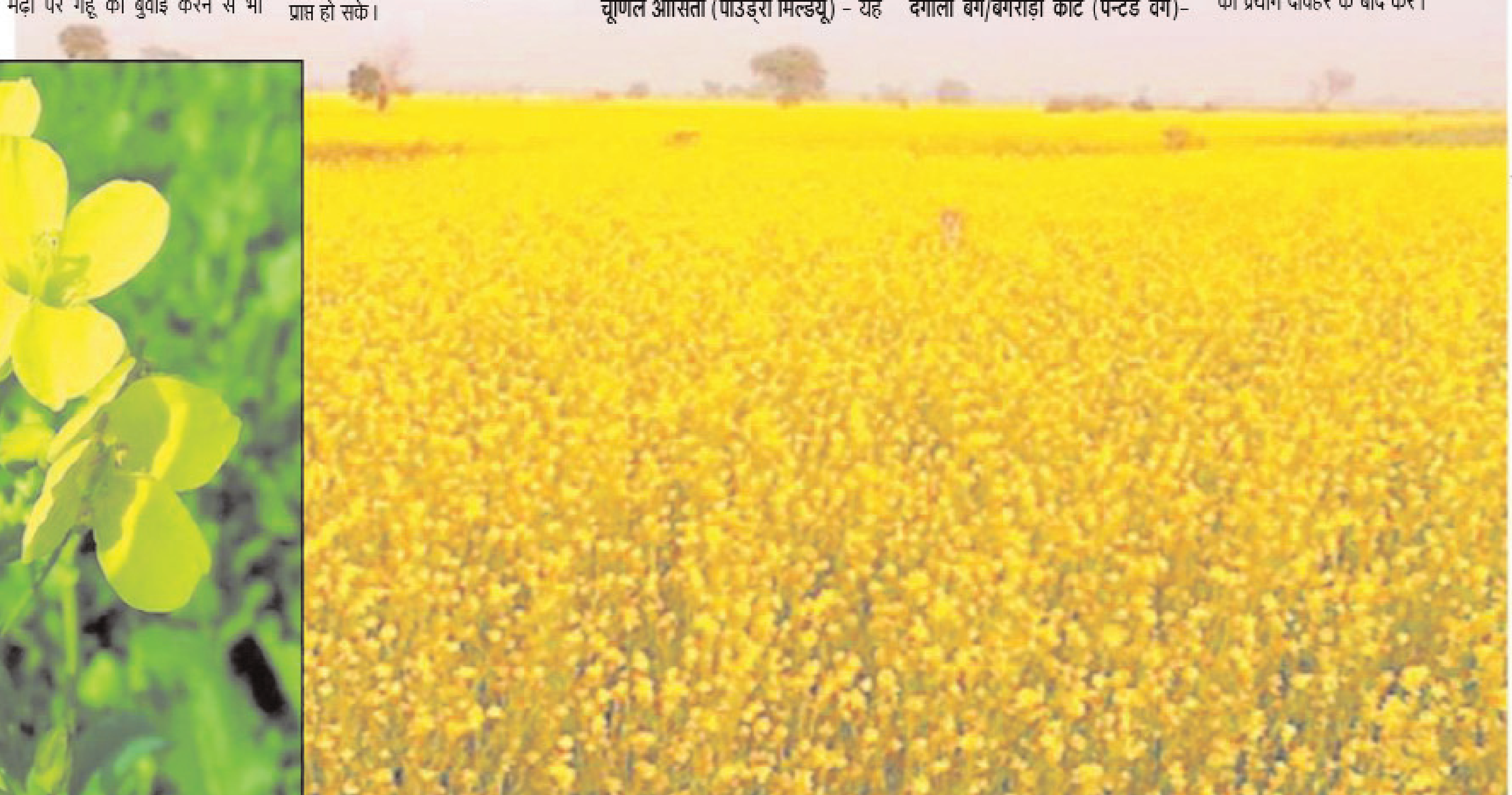

फुलेरा अस्पताल में इंसानियत भी गर्मी में पसीजी- बिना चादर के इलाज को मजबूर मरीज

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.)। भीषण गर्मी और तपती दोपहरी में जहां एक तरफ मरीज राहत की आस में अस्पताल का रुख कर रहे हैं, वहीं फुलेरा उप जिला अस्पताल की बदहाल व्यवस्था उनकी तकलीफें और बढ़ा रही है। अस्पताल में भर्ती मरीजों को बिना चादरों के गंदे और सख्त बेडों पर लेटकर इलाज कराना पड़ रहा है। बेडशीट जैसी बुनियादी सुविधा का अभाव न सिर्फ मरीजों की असुविधा का कारण है, बल्कि संक्रमण का खतरा भी बढ़ा रहा है। कई मरीजों और परिजनों ने बताया कि वे खुद चादरें लाने को मजबूर हैं, क्योंकि अस्पताल प्रबंधन से उम्मीद छोड़ चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ। "यह अस्पताल है या सजा का ठिकाना?", एक मरीज के परिजन ने नाराज़गी जताते हुए कहा। अब सवाल ये है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी आंखें खोलेंगे या मरीजों को यूं ही बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसना पड़ेगा ?

श्याम बाबा के जागरण का हुआ आयोजन

छप्पन भोग की झांकी सजाई

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.) कस्बे के मालाखेड़ा बाजार स्थित सत्यनारायण जी की गली में श्याम प्रभु का जागरण आयोजित हुई व छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। इस मौके पर श्याम बाबा का मनमोहक श्रृंगार कर दरबार को सजाया। आयोजक अनिल कुमार गुप्ता व हेमंत ने बताया कि जागरण का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चार व पूजा-अर्चना के साथ हुआ। जागरण में गायक महेंद्र अमन ने गणेश व हनुमान वंदना, कीर्तन की रात के साथ जागरण का आगाज किया। भजन गायक आशीष शर्मा ने ये प्रार्थना है दिल की...., अरदास भजन सहित एक से बढ़कर एक भजन सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को तालियां बजाने एवं नृत्य करने पर मजबूर कर दिया। वही गायक राहुल ब्रजवासी ने बृज भजन गाकर श्रद्धालुओ का मन मोह लिया एवं गायक कमल कान्हा ने भटक गया हूँ बाबा...., थाली भर के ल्याई रे खीचड़ो सहित धमाल भजनों की प्रस्तुति दी। भजन गायक कलाकारो ने एक से बढ़कर एक भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को झूमने को मजबूर कर दिया व खूब तालियां बटोरी। जागरण में पुष्प एवं इत्र वर्षा आकर्षण का केन्द्र रही। जागरण का समापन श्याम बाबा की आरती के साथ हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं को छप्पन भोग का प्रसाद का वितरण किया। इस अवसर पर प्रदीप महावर, हरिप्रसाद शर्मा, सुभाष गुप्ता, रुगल भगत, विशाल शर्मा, जितेंद्र शर्मा, प्रेम मिश्रा, राधाकृष्ण वैध, कैलाश गोयल, भगत मिश्रा सहित सैकड़ों महिला-पुरुष मौजूद रहे।

मुख्य सचिव सुधांशु पंत मंगलवार को नवगठित जिला कोटपूतली-बहरोड़ के दौरे पर

कोटपूतली(निसं.) प्रदेश के प्रशासनिक मुखिया मुख्य सचिव सुधांशु पंत मंगलवार को नवगठित जिला कोटपूतली-बहरोड़ के दौरे पर रहेगें। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंत सम्भवतया दोपहर 03 बजे भिवाड़ी से कोटपूतली पहुँचेगें। मुख्य सचिव भिवाड़ी औधोगिक विकास प्राधिकरण (बीड़ा) की बैठक में भाग लेने के बाद यहाँ आयेगें। वे कस्बे के सराय मौहल्ला स्थित जिला कलेक्ट्रेट परिसर में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेगें। बैठक में जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल, पुलिस कप्तान राजन दुष्यंत, एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एएसपी वैभव शर्मा समेत अन्य आला अधिकारी भाग लेगें। इस दौरान मुख्य सचिव नवगठित जिले के प्रगति प्रतिवेदन समेत मिनी सचिवालय के निर्माण, अन्य विभागीय कार्यालयों को जल्द से जल्द खोलने, केन्द्र व राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के कुशल प्रबंधन, बजटीय घोषणाओं को जल्द से जल्द लागू करने समेत अन्य बिन्दुओं पर भी चर्चा करेगें। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य सचिव पंत कोटपूतली-बहरोड़ जिले का डीजे कोर्ट कहां खोला जायें इस विषय पर भी चर्चा कर सकते है। पंत सम्भवतया बैठक के बाद प्रैस से भी मिलेगें एवं आमजन के परिवाद भी सुनेगें। बताया यह भी जा रहा है कि मुख्य सचिव पंत नवगठित जिलों समेत सभी जिला मुख्यालयों के दौरे पर है। इसी क्रम में वे कोटपूतली भी आ रहे है। वहीं मुख्य सचिव पंत के दौरे को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां चाक-चौबंद है। उनके दौरे को देखते हुये जिला कलेक्ट्रेट की ओर जाने वाले सभी मार्गो पर अतिक्रमण हटा दिया गया है। कस्बे के मुख्य मार्गो को चमकाने के लिये युद्ध स्तर पर कार्य जारी है। समस्त संसाधनों का उपयोग कर सूखे हुये पेड़ व गमले हटा दिये गये है। साथ ही सडक़ों के पेचवर्क, मरम्मत व डामरीकरण का कार्य जारी रहने के साथ-साथ नई सडक़े भी बनाई गई है एवं भवनों पर रंग रोगन का कार्य भी जारी है। सीएस के दौरे को देखते हुये प्रशासन की नींद उड़ी हुई है। रातों रात नगर परिषद द्वारा टेंडर कर कस्बे के अग्रसेन सर्किल से लेकर पूतली मोड़ तक की सडक़ का निर्माण करवाया जा रहा है। सडक़ निर्माण का कार्य रातों रात जारी है एवं स्वच्छता का कार्य भी युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है। सभी खम्भों से बैनर हटाने व कलेक्ट्रेट तक के रास्ते को सुगम बनाने का कार्य भी जारी है।

शिक्षा नगरी कुचामन शहर में बनेगा अंबेडकर विकास समिति का भव्य भवन : राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी

राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने प्रतिमा पर भव्य छतरी का निर्माण विधायक कोष से करने की घोषणा की

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) सोमवार को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर तिलक पब्लिक स्कूल रैगर समाज भवन से महेंद्र चौधरी पूर्व मुख्य उप सचेतक ने हरी झंडी दिखाकर भव्य शोभायात्रा का शुभारम्भ करते हुए अपनी सहभागिता निभाई। अम्बेडकर विकास समिति के अध्यक्ष हेमराज चावला ने बताया कि शोभायात्रा रैगर समाज भवन तिलक पब्लिक स्कूल से प्रारंभ होकर डीजे एवं विभिन्न बहुजन महापुरुषों की 9 झांकियों के साथ शहर के विभिन्न मुख्य मार्ग से होते हुए बाबा साहब की प्रतिमा स्थल कनोई पार्क में पहुंची। शोभायात्रा में हजारों लोगों ने भाग लिया तथा विभिन्न मार्गों पर सर्वसमाज के लोगों ने शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा के साथ शानदार स्वागत किया। भव्य शोभायात्रा के बाद समारोह स्थल पर बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण कर समारोह पूर्वक कार्यक्रम का आयोजन गया। समारोह के मुख्य अतिथि विजयसिंह चौधरी राजस्व मंत्री राजस्थान सरकार रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता हेमराज चावला अध्यक्ष अंबेडकर विकास समिति ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नगर परिषद सभापति आसिफ खान एवं सेवानिवृत्त सीबीईओ जगदीश राय रहे। समिति व कार्यक्रम के अध्यक्ष हेमराज चावला ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के कृतित्व एवं व्यक्तित्व को अपने जीवन में आत्मसात करने पर बल दिया। मुख्य अतिथि विजयसिंह चौधरी ने अपने उद्बोधन ने बाबा साहब द्वारा देश और बहुजन समाज के लिए किए गए योगदान के बारे में बताया। साथ ही अंबेडकर विकास समिति की ओर से विशिष्ट अतिथि जगदीश राय सेवानिवृत्त सीबीईओ ने समिति के लिए 10 बीघा जमीन की मांग की जिसकी मंत्री ने सहर्ष सहमति दी साथ ही बाबा साहब की पार्क में स्थित प्रतिमा पर भव्य छतरी का निर्माण विधायक कोष से करने की घोषणा थी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134 वीं जयंती पर कस्बे के डाबला रोड़ स्थित ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश चंद सैनी के नेतृत्व में हुआ। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुये उनका स्मरण किया। इस दौरान पूर्व विधायक रामचन्द्र रावत, डॉ. अभिलाष मीणा, महावीर यादव, एड. अनिल आर्य, विकास सैनी, गोकुल आर्य, इन्द्राज वाल्मिकी, डॉ. मनमोहन सिंह राठौड़, कमल मीणा, रमेश गुप्ता समेत अन्य मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर

क्रमांक-न.पा.फु/2024-25/48 दिनांक-07/04/25

आपत्ति सूचना

एतद् द्वारा हितबद्ध व्यक्ति विशेष आम खास को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्तियों ने फोति नामान्तरण हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है ।

क्र.स.	प्रार्थी का नाम	स्थान	पटटाधारक का नाम	क्षेत्रफल वर्गगज	प्रयोजनार्थ
1	श्री अंकित जांगिड पुत्र श्री रमेश चन्द जांगिड	आवासीय भूखण्ड सं. एन-71 वाके सिविल लाईन्स जोबनेर रोड फुलेरा	श्री निखिल जैन पुत्र श्री सुरेश चन्द जैन	104.62	नामान्तरण

किसी भी व्यक्ति को निम्नाकिंत ईजाजत बाबत आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मयाद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षकर्त्ता को प्रस्तुत करावे। बाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नही होगी ।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर

क्रमांक-न.पा.फु/2024-25/3581 दिनांक-06/03/25

आपत्ति सूचना

एतद्द्वारा हितबद्ध, व्यक्ति विशेष आम खास को सूचित किया जाता है कि पालिका क्षेत्र मे अधोलिखित व्यक्तियों द्वारा नामान्तरण / फोति नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

क्र.स.	प्रार्थी का नाम	स्थान	मूल पटटाधारक	क्षेत्रफल वर्गगज	प्रयोजनार्थ
1	श्रीमती सारिका वर्मा पत्नी श्री विष्णु प्रकाश कुमावत	प्लाट नं. 54 वाके बालाजी विहार वार्ड नं. 01 फुलेरा	श्री मनोज कुमार देवन्दा पुत्र श्री पांचुराम देवन्दा	160	नामान्तरण

किसी भी व्यक्ति को निम्नाकिंत ईजाजत बाबत आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मयाद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षकर्त्ता को प्रस्तुत करावे वाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नही होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड -सादुलपुर (राजस्थान) 331023

cephedsadulpur@gmail.com ee.phed.sdlp.chu@rajasthan.gov.in

क्रमांक - 44-58 दिनांक- 07-04-2025

NOTICE INVITING TENDERS FOR WORKS

Online tenders are hereby invited on behalf of the Hon'ble Governor of Rajasthan for the following works from eligible enlisted Contractor/ Firm as per Rules. Details of this tender notification and pre-qualification criteria can also be seen in NIT exhibited on web site www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, and http://eproc.rajasthan.gov.in. Online Tenders are to be submitted on web site. tender fee shall be submitted through e-GRAS only in respective budget head and bid security as per Annexure. Online Tendar website submitted Last Date & time For submission Up to 16-04-2025 (18.00 hrs)

NIT No.	UBN No.
03/2025-26	PHE2526WSOB00409
04/2025-26	PHE2526WSOB00410
05/2025-26	PHE2526WSOB00411

SAVE WATER-SAVE LIFE

(Narendra Kumar Kachhawaha)
Executive Engineer,
PHED Division Sadulpur
Contact: 82791-01286

कार्यालय ग्राम पंचायत साहवा

पंचायत समिति तारानगर चूरू

क्रमांक- एफ ()/24-25 / 15-20 दिनांक- 14.04.2025

ई - निविदा सूचना संख्या 01 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पंचायत समिति मद से स्वीकृत कार्यो के सम्पादन हेतु दो वर्ष की डिफेक्टिव लाईब्लिटी पिरियड के साथ उपयुक्त श्रेणी के राजस्थान / केन्द्र सरकार में पंजीकृत संवेदको से ई-टेन्डर प्रक्रिया द्वारा आनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा http://sppp.rajasthan.gov.in/, https://eproc.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

क.स.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू. में)	धरोहर राशि	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग फिस	कार्य पूर्ण करनें की अवधि
1	WSP निर्माण कार्य खसरा नं. 921 साहवा	21.24	42480	1000	500	6 माह
2	ऑनलाईन फार्म डाउनलोड / अपलोड करने की दिनांक	दिनांक 15.04.2025 को समय प्रातः 11.00 बजे से दिनांक 24.04.2025 को सांय 06.00 बजे तक				
	निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग शुल्क व अन्य दस्तावेज जमा करनें की अन्तिम तिथि	दिनांक 25.04.2025 को समय दोपहर 11.00 बजे तक				
	ऑनलाईन निविदा खोलने का दिनांक	तकनिकी निविदा 25.04.2025 को दोपहर 02.00 बजे				

निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

सरपंच
ग्राम पंचायत साहवा
पंचायत समिति तारानगर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत साहवा
पंचायत समिति तारानगर

कार्यालय ग्राम पंचायत पुनरास

पंचायत समिति तारानगर चूरू

क्रमांक- एफ () / 25-26 / दिनांक- 14.04.2025

ई - निविदा सूचना संख्या 01 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पंचायत समिति मद से स्वीकृत कार्यो के सम्पादन हेतु दो वर्ष की डिफेक्टिव लाईब्लिटी पिरियड के साथ उपयुक्त श्रेणी के राजस्थान / केन्द्र सरकार में पंजीकृत संवेदको से ई-टेन्डर प्रक्रिया द्वारा आनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा http://sppp.rajasthan.gov.in/, https://eproc.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

क.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू. में)	धरोहर राशि	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग फिस	कार्य पूर्ण करनें की अवधि
1	मॉडल तालाब निर्माण कार्य नेतराम की ढाणी के पास, महेन्द्रवास	25.00	50000	1000	500	3 माह
2	Construction on work of 15×20 Room With Varanda in Govt. Sen. Sec. School Sports Ground Villand GP Poonras	6.498	13000	1000	500	3 माह
	ऑनलाईन फार्म डाउनलोड / अपलोड करने की दिनांक	दिनांक 15.04.2025 को समय प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 24.04.2025 को सांय 06.00 बजे तक				
	निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग शुल्क व अन्य दस्तावेज जमा करनें की अन्तिम तिथि	दिनांक 25.04.2025 को समय दोपहर 12.00 बजे तक				
	ऑनलाईन निविदा खोलने का दिनांक	तकनिकी निविदा 25.04.2025 को समय दोपहर 03.00 बजे				

निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

सरपंच
ग्राम पंचायत पुनरास
पंचायत समिति तारानगर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पुनरास
पंचायत समिति तारानगर

बाबा साहब अंबेडकर की जयंती मनाई

सरदारशहर।

सरदारशहर।

सरदारशहर।

सरदारशहर।

सरदारशहर।

मण्डावा।

मण्डावा।

मण्डावा।

बिजौलियां।

तारानगर।

चूरू।

बिसाऊ।

राजलदेसर।

सुजानगढ़

पाटन

लक्ष्मणगढ़।

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर। शहर के शाकम्भरी विद्यापीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय व एसवीपी इंग्लिश एकेडमी में डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रभारी आलोक सिंह ने डॉ अंबेडकर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय के शिक्षकों ने पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने व संविधान का पालन करने का संकल्प लिया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रभारी ने कहा कि कठोर परिश्रम व धैर्य के साथ कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने का कार्य डॉ अंबेडकर से सीखा जा सकता है। अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, लेखक व समाज सुधारक के रूप में प्रसिद्ध डॉ बाबा साहेब अंबेडकर प्रथम विधि व न्याय मंत्री, भारतीय संविधान के शिल्पकार व दलित उत्थान के प्रेरक रहे हैं। हमारा संविधान मार्गदर्शक व समाज को दिशा देने वाला है। इस अवसर पर शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर दीपक सेन, अनिल कुमार, मीनाक्षी डीडवानिया, दिव्या सोनी, ज्योति सोनी, गीतिका स्वामी, खुशबू पांडिया, टीना शर्मा, सरोज प्रजापति, अयूब खान, मोनिका शर्मा, सोनू शर्मा, आनंद मीना, ओमप्रकाश सुथार आदि उपस्थित रहे।

सरदारशहर। शहर के बहादुर सिंह कॉलोनी स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई गई। कार्यक्रम संयोजक निरंजन धानका ने बताया कि पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने डॉ अंबेडकर प्रतिमा के आगे पुष्प अर्पित कर द्वीप प्रज्वलित किया। पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां ने बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने देश को उन्नति के मार्ग पर ले जाने का कार्य किया। उन्होंने सबको उचित हक और सम्मान दिलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने सबके लिए कार्य किया। वह सबके आदरणीय हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ही बाबा साहेब के नाम से भीम एप शुरू किया। पूर्व मंत्री ने कहा कि बाबा साहेब दिल्ली-कोलकाता और महाराष्ट्र में जिस जगह पर रहते थे। उन सभी जगहों पर मोदी सरकार ने स्थलों का कायाकल्प किया है। नगर परिषद सभापति राजकरण चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब के हम विचारों को मानते है। हमें ऊंच नीच से ऊपर उठकर सभी को समान मानकर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में जिला मंत्री श्यामलाल पारीक, मण्डल अध्यक्ष मुकेश भामा, राजवीर सिंह, अश्विनी मकवाना, राकेश टाक, मुरलीधर सैनी, गिरधारलाल पारीक, दीपक बेद, अजीज गौरी, विक्रम सैनी, भंवरलाल मेघवाल, सुमेरमल धानका, कमल नाई, जाकिर खोखर, प्रमोद राजपुरोहित पातलीसर, पवन पारीक, पूर्ण दास स्वामी, चयन प्रकाश मेघवाल, नरपत सिंह मांगसर, अजय भाटी, भंवरलाल मेघवाल, मुकेश जोशी, सुरेन्द्र जांगिड़, गंगा बिशन सिद्ध सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरदारशहर। शहर के अशोक स्तंभ सर्किल पर बहुजन समाज पार्टी के बैनर तले कार्यकर्ताओं बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश खेजड़ा की अध्यक्षता में मनाई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर बाबा साहेब के बताए हुए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रभारी राधेश्याम सुढ़ा, जिला प्रभारी धर्मेंद्र रॉयल, धनपत मेघवाल, भोमाराम, दीपाराम सारण, नवरंग राम गोद, जगदीश प्रसाद लूंछ, राजेश बरगढ़ रतनगढ़, दिनेश कुमार तारानगर, लालसिंह कलवा बिजासर, महावीर प्रसाद शिमला, करण धनोदिया, इंद्राज राम, राकेश कुमार, सोडाराम, ओमप्रकाश मेघवाल बंधनाउ सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरदारशहर। शहर में भारतरत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती आयोजन समिति के तत्वधान में बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ ताल मैदान से किया गया। रैली रेलवे स्टेशन, मेन बाजार, घंटाघर होती हुईं गांधी चौक पहुंची। गांधी चौक पर आम सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ओमकार बायला, बाबूलाल साजनसर, एड. गौरव कुरील, सुरेंद्र गोधा, हरिराम शीला अध्यक्ष अंबेडकर शि. संघ, राकेश किलानिया, ओमकार बाली, सुनील मीणा, बीरबल मेव, लीलाधर दानोदिया, राकेश सांडेला, गौरीशंकर माहिच, नेमीचंद गोधा, भानूप्रकाश दानोदिया, सुरजीत मैनपुरिया, डूंगराराम नायक, प्रमोद राजपुरोहित, एड. चैनप्रकाश, जयदेव फोग, डॉ भानीराम बरोड़, सतपाल बरोड़, प्रवेश वाल्मीकि, अरविन्द लावा, महेंद्र घड़सीसर, कुलदीप बयाला, आसाराम, बाबूलाल ने सभा में अपने विचार व्यक्त करते हुए बाबा साहेब के बताएं मार्ग पर चलने का आह्वान किया। मंच संचालन देवा राम गोधा ने किया। सभा में सिंगर सुखदेव नोहर व केआर नायक ने संगीत की शानदार प्रस्तुति देकर डॉ भीमराव अम्बेडकर की याद ताजा कर दी। मुख्य बाजार में बाबा साहेब की रैली पर सर्व समाज के लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में तहसील क्षेत्र के लोगों ने बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर निकाली गई रैली में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

सरदारशहर। तहसील के निकटवर्ती गांव बरड़ासर में डॉ अम्बेडर की 135 वीं जयन्ती पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में 55 युवाओं ने रक्तदान कर मानवता का धर्म निभाते हुए रक्तदान महादान का संदेश दिया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ डॉ अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तहसील के फोगां, आसपालसर, बायला, बोघेरा, आनन्दवासी के युवाओं ने रक्तदान शिविर में अपने रक्त का दान किया। शिविर में गांव के बुजुर्गो, महिलाओं ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य रूपाराम मेव ने रक्तदाताओं का आभार प्रकट किया। शिविर में 86 युवाओं ने पंजीकरण कराया। शिविर में डॉ रविन्द्र कुमार की ओर से नेत्रदान करने का आव्हान किया। रक्तदान शिविर में संग्रह सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर की टीम की ओर से किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रक्तदान के महादान बताया।

मण्डावा। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ .बी.आर.अम्बेडकर जयंती पर तहसील स्तर पर भीम-फूले भव्य महारैली निकाली गई, रैली नगर पालिका चौक से प्रारम्भ हुई और मुख्य बाजार सुभाष चौक व बिसाऊ चौराहे होते हुए अम्बेडकर भवन पहुंची, वहां बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में सर्व समाज के लोगों ने जोश के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया पूरे बाजार में रैली पर जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई और सभी के लिए ठंडे पेय जल की व्यवस्था की गई। उल्लेखनीय है कि इस दौरान मुस्लिम समाज की ओर से पूर्व पालिका उपाध्यक्ष व जिला कांग्रेस के महामंत्री अयूब भाटी अगुवाई में रैली का पुष्पा वर्षा कर स्वागत किया और ठण्डे पये पानी की बोतले बांटी गई। इस दौरान डा0 उमर खत्री, असलम खान, बाबू सब्जि फरोश, मुकाबिर मौम, उमर महणसरिया, सादिक, रासीद मौम, मजीद सब्जि फरोश तथा रफीक कीलानिया आदि मौजूद रहे।

मण्डावा। कांग्रेस मण्डल अध्यक्ष समसाद खान सिरियासर कलां ने बताया कि ग्राम पंचायत सिरियासर कलां की पूर्व सरपंच पतासी देवी गर्वा की अध्यक्षता में ग्रामीणों ने बाबा साहेब कि प्रतीमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर जयंती मनाई। इस दौरान बंशीधर गर्वा, मण्डल उपाध्यक्ष सुनील फोजी, कमलेश गर्वा, सुरेंद्र गर्वा, सुरेंद्र फोरमैन,पवन मीणा, बीरबल राम जागीड़, रणजीत चावरिया, बाबुलाल मेघवाल, रवि , पशुचिकित्सक रवि जागीड़, सुभाष चावरिया, छोटू, सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अंत में काग्रेंस मण्डल अध्यक्ष समसाद खान सिरियासर कलां व सुनील फोजी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मण्डावा। स्थानीय कांग्रेस कार्यालय मे पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष पूर्व पालिका अध्यक्ष सज्जनलाल मिश्रा की अध्यक्षता में भारतीय संविधान के रचियता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती उनके चित्र पर माल्यार्पण कर व पुष्प अर्पित कर मनाई काफी संख्या में पहुंचे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के इस आयोजन की अध्यक्षता कर रहे मिश्रा ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत का संविधान अपने आप मे एक अनूठा व समाज के हर तबके को समानता दिलवाने में एक महत्पूर्ण भूमिका निभाता है। इस कार्यक्रम को पालिका उपाध्यक्ष नवाब खत्री, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष छोटेलाल सैनी ने भी सम्बोधित किया। अपने उदगार में सज्जनलाल मिश्रा ने कहा कांग्रेस हमेशा समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को न्याय एवं समानता दिलवाने में बाबा साहेब की बताई गई इस राह पर चलने के लिए हमेशा तत्पर रही है। इस कार्यक्रम में शशिकांत सैनी, शुभम थलिया, आसिफ खत्री, आलम खान,जोन भाटीवाड़ा, पार्षद केशरदेव महरिया, धोलू रंगरेज, मदनलाल रैगर, ललित सोनी, मनोज सोनी, सुनील सोनी, राजेश रंजीरोत, छोटेलाल सैनी, राजकुमार पारासर,गोपाल चावरिया, सुभाष चंदेलिया, जाकिर रंगरेज, मांगीलाल सैनी, सुनील जोशी, दिनेश काला, मधु स्वामी, केशरदेव टेलर, परमेश्वर चेजारा, पवन सोनी, रमेश मिश्रा, राजेन्द्र आर्य आदि सैंकड़ो कार्यकर्ताओ ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित किए इसके साथ ही बाबा साहेब के अनुयायियों की ओर से नगरपालिका चोक से निकाली गई एक रैली पर सभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा करते हुए रैली निकाल रहे कार्यकर्ताओ का स्वागत भी किया।

बिजौलियां। सविंधान निर्माता भारत रत्न डॉ.भीम राव अंबेडकर की जयन्ती पर वाहन रैली निकाली गई।मीणा छात्रावास से शुरू हो कर रैली प्रमुख मार्गों से होते हुए रेगर छात्रावास पहुंची।वहीं भाजपा बिजौलियां मंडल कार्यालय पर भी बाबा साहब डॉ.भीम राव अंबेडकर की जयन्ती मनाई गई।अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी गई। तालुका विधिक सेवा समिति द्वारा अम्बेडकर जयंती पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया। पीएलवी राम बाबू माथुर ने डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जीवनी पर प्रकाश डाला और अनुसूचित -जाति/जनजाति के लोगो के अधिकार की जानकारी दी।

तारानगर। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की जयंती पूरे देशभर में बड़ी धूमधाम से मनाई गई तो वहीं बाबा साहेब की जयंती के उपलक्ष पर तारानगर में भी अनेक सामाजिक कार्य किए गए। तारानगर के निकटवर्ती गाँव ढाणी कुम्हारान व शहर के सैनी संस्था में रक्तदान शिविर लगाए गए जहाँ युवाओं ने हर्षोल्लास के साथ रक्तदान किया। तारानगर विधायक नरेन्द्र बुड़ानिया, प्रधान संजय कस्वां, विस प्रत्याशी व भाजपा नेता राकेश जांगिड़ सहित विभिन्न पार्टियों व संगठनों व जनप्रतिनिधियों ने अम्बेडकर सर्किल पर स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बाबा साहेब को याद किया। दोपहर बाद उप जिला अस्पताल के सामने पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिँह राठौड़ के मुख्य आतिथ्य में विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहाँ सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। तारानगर शहर को रंगबिरंगी लड़ियों व झंडो से दुल्हन की तरह सजाया गया।

चूरू। स्थानीय अग्रसेन नगर में विकास समिति की ओर से सामूदायिक भवन में अबेडकर जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विकास समिति के अध्यक्ष वैध बनवारी लाल शर्मा, शिक्षाविद गजानंद खेड़ीवाल, एडवोकेट ज़िले सिंह, जगदीश खेड़ीवाल पूर्व अध्यक्ष मदन लाल राजपुरोहित, रामस्वरूप शर्मा, सज्जन लाटा, रतन सिंह शेखावत, सागरमल बजाड़, हुकमी चंद गौड़, कैप्टन के के शर्मा, उमेश चंद्र चौहान,अश्वनी शर्मा,प्रधानाचार्य लाल चंद आलडिया, हनुमान सिंह हुड्डा, धर्मवीर, शीशराम तालेर, हरिराम तवर, केआर पाटवाल, सीताराम खरोड़,प्रो बीके अग्रवाल, गजेंद्र महर्षि, बाबूलाल बुनकर, सुशील महर्षि, विनय सोनी सहित बड़ी संख्या में बाबा साहेब आंबेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन रामस्वरूप शर्मा ने किया।

बिसाऊ। न्यू राजस्थान पब्लिक स्कूल, बिसाऊ में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को उनकी प्रतिभा और सामाजिक कार्यों में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने अंबेडकर के जीवन और विचारों पर भाषण, नाटक और गीत प्रस्तुत किए। बच्चों ने बाबा साहेब के सामाजिक न्याय, शिक्षा और समानता के संदेश को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया समारोह के अंत में चयनित बच्चों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने बताया की बाबा साहेब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है बच्चों में ऐसे मूल्यों को विकसित करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है, तथा इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों में सामाजिक चेतना और अंबेडकर के विचारों को प्रसारित करना है।

राजलदेसर। कस्बे में डा भीमराव अम्बेडकर की 134 वीं जयंती पर बाबा साहेब डॉ अम्बेडकर जयंती समारोह समिति की ओर से विशाल जुलूस निकाला गया। जूलूस अम्बेडकर भवन से रवाना होकर कस्बे के गांधी चौक, सुभाष चौक, मैन बाजार होते हुए वापिस अम्बेडकर भवन पहुंचा। जिसमें अनुसुचित जाति व जनजाति के लोग काफी संख्या में मौजूद रहे। जयभीम के नारो से क़स्बे में गुंजायमान हुआ। जूलूस में थानाधिकारी कमलेश कुमार मय जाब्ता सुरक्षा में तैनात थे। जूलूस का बैंक आफ? बड़ोदा के पास भाजपा मण्डल अध्यक्ष विष्णु प्रजापत ने नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत कर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिसमें भाजपा के खेमराज पारीक, प्रकाश भार्गव,पवन बोथरा पुर्व मण्डल अध्यक्ष, पवन मारू, राजेश गर्ग, पार्षद धनपत शर्मा, सुनिल प्रजापत सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुजानगढ़ संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर अंबेडकर सेवा समिति और भीम आर्मी की ओर से विशाल रैली निकाली गई। रैली सालासर रोड, स्टेशन रोड, गांधी चौक, पुलिया लाडनू बस स्टेंड आदि स्थानों से निकली। रैली पर राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र किलक, विधायक मनोज मेघवाल, सभापति नीलोफर गौरी, पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, नेता प्रतिपक्ष जय श्री दाधीच, पूर्व सभापति सिकन्दर अली खिलजी, सरपंच सविता राठी, राजकुमार इन्दोरिया, वैद्य भंवरलाल शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष विनय माटोलिया, बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल, सुजानगढ़ प्रधान मनभरी देवी मेघवाल, पार्षद ईकबाल खान सहित अनेक जगहों पर पर जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया। रैली में संजय आर्य, दीपाराम सांडेला, पुरूषोतम चौहान, नंदलाल मेघवाल, एन जे नागोरिया, तिलोकचंद मेघवाल, मोहनलाल मेघवाल, शंकर लाल चिनियां, पार्षद रेंवतमल पंवार, श्रवण कुमार मेघवाल, ईश्वर सिंह, नवरत्न चौहान, हनुमान मेघवाल, धर्मसिंह मीणा, भीम आर्मी के शशिकांत तेजस्वी, अजय ढेनवाल, श्रवण कुमार मेघवाल, किशन लाल कटारिया, धन्नजय मेहरड़ा श्रवण मेहरड़ा सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। गांधी चौक में सभा हुई, जिसमें सभी ने बाबा साहेब के बजाए सिद्धांतों और उनकी शिक्षाओं को अपनाने पर बल दिया। इसी प्रकार भाजपा कार्यालय में मंडल अध्यक्ष विनय माटोलिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। जिसमें पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल, सुजानगढ़ प्रधान मनभरी देवी मेघवाल, नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच एवं पार्टी के सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। सभी ने बाबा साहब के आदर्शों को जीवन में अपनाते हुए "एक भारत-श्रेष्ठ भारत" के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में गणेश मंडावारिया, वैद्य भंवरलाल शर्मा, रेंवतमल पंवार, खुशीराम चांदरा, कमल दाधीच, गोपाल पारीक, विजय चौहान, पुरुषोत्तम शर्मा, पार्षद हरिओम खोड, दीनदयाल पारीक, मनीष दाधीच, नरेन्द्र प्रजापत, मनोज पारीक,प्रेम स्वामी, पंकज घासोलिया, पन्नालाल सोनी, महेश जोशी, प्रहलाद जाखड़, प्रदेश वाल्मीकि, मुरारी खंडेलवाल, अमरचंद सेन, गिरधारी काँटीवाल, सूरज तेजस्वी, चन्द्रप्रभा सोनी, शोभांग कंवर, विश्वनाथ बरवासा, राजेश सैन, आशीष चोटिया, भंवरलाल बिजारणिया, दीपक कौशिक, मुकेश मेघवाल, भैराराम मेघवाल, प्रेम हटवाल, विक्की पारवा, विश्वदीपक काछवाल, सुरेंद्र सुंगत, पवन आदि उपस्थित रहे।

पाटन शहर के निकटवर्ती ग्राम करजो और बोपिया में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाई गई। ग्राम करजो में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्यक्रम की शुरुआत भव्य बाइक रैली से हुई, जो पाटन स्टैंड से शुरू होकर करजो गांव के विभिन्न हिस्सों से गुजरते हुए संपन्न हुई। रैली के समापन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर धर्मपाल यादव ने किया। इस अवसर पर विभिन्न कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक रागनी, देशभक्ति गीतों और भजनों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष और उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप आर्य ने कहा कि बाबा साहेब को पूजने की बजाय हमें उन्हें पढ़ने और समझने की जरूरत है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से राम प्रताप यादव, मथुरा प्रसाद यादव, कुंवर सिंह, हीरालाल मुकदम, राजेंद्र अध्यापक, विकास, पवन, अनिल, मोहर सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने सहभागिता निभाई। वहीं ग्राम बोपिया में भी डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। जयंती की पूर्व संध्या पर डॉ. अंबेडकर खोज परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को बाबा साहेब की तस्वीर और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जयंती के अवसर पर गांव में रैली निकाली गई और बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया गया। इस अवसर पर सरपंच सुनील कुमार महरड़ा, सरजीत बोपियां, सिगांराम, जयनारायण, रुपराम, देवेन्द्र, मुकेश पंच, अशोक टेलर, लक्ष्मीनारायण, किरण सिंह, राकेश, मुरारी कसाणा, राजपाल पार्षद, नरेन्द्र पीटीआई, डॉ. मोहर सिंह, डॉ. निहाल सिंह, दीनाराम, सुनील, विजय, दिलीप, सचिन, कृष्ण, संतलाल, विजय शर्मा, हितेश सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। दोनों गांवों में आयोजित इन आयोजनों ने यह संदेश दिया कि आज भी बाबा साहेब के विचार समाज में प्रेरणा का स्रोत हैं और उनके दिखाए गए रास्ते पर चलकर ही सामाजिक समरसता और न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है।

लक्ष्मणगढ़। राजस्थान शिक्षक संघ,(राष्ट्रीय) उप शाखा लक्ष्मणगढ़, नेछवा की ओर से बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जयंती दिवस को समरसता दिवस के रूप में सीकर मार्ग पर स्थित एक निजी होटल में मनाया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरलाल सिंह धायल, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मांगीलाल शर्मा (मुख्य वक्ता), गड़ौदा प्रधानाचार्य राजकुमार तंवर, अरुण चौधरी, श्रवण सिंह शेखावत,बिहारी सिंह कविया, ओम प्रकाश भास्कर, शीला ने बाबा साहब की प्रतिमा को माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। रणवीर सिंह गढ़वाल की ओर से समरसता के इस कार्यक्रम के औचित्य पर प्रकाश डाला। ताराचंद दुलार की ओर से मंच संचालन करते हुए संगठन के समस्त जागरुक आगंतुक शिक्षक साथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में कार्यक्रम प्रभारी सुल्तान सिंह भास्कर, रूप सिंह कविया, रणधीर ताखर, सुवालाल जाखड़, ओम प्रकाश जाखड़, अनीता मील, भगवानी देवी दुलार, ज्योति प्रभा पुजारी, हरलाल सिंह बिजारणियां, मनोहर लाल शर्मा ,छोटू सिंह गोदारा, मिथिलेश मील,शिव शंकर शर्मा, राजेंद्र शर्मा जुलियासर, प्रधानाचार्य विनीत डोटासरा, व्याख्याता नरेंद्र भास्कर, विनोद स्वामी सहित पदाधिकारियों व सैकड़ों शिक्षकों ने भाग लिया।

विप्र फाउंडेशन प्रदेश उपाध्यक्ष राजपुरोहित व युवा प्रदेशाध्यक्ष मिश्र का भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। विप्र फाउंडेशन सरदारशहर से प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित व युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष सुनील मिश्र निजी कार्य से हरियाणा जाते वक्त रावतसर व हनुमानगढ़ में विप्र फाउंडेशन पदाधिकारियों ने सरदारशहर पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि व विप्र फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित व विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष सुनील मिश्र का माला, साफा पहनाकर स्वागत किया। रावतसर में हनुमान मिष्ठान भंडार में अनिल पारीक, सीताराम पारीक, बजरंग शर्मा, आनन्द शर्मा हलवाई, राकेश पारीक, संजय दायमा, राजकुमार शर्मा, गणेश सैनी सहित अनेक लोगों ने स्वागत किया। वहीं हनुमानगढ़ में विप्र फाउंडेशन प्रदेश सचिव विकास भंनोत के नेतृत्व में कालुराम शर्मा, जसवीर शर्मा, छिंद्रपाल शर्मा आदि ने प्रदेश उपाध्यक्ष राजपुरोहित व युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष मिश्र का स्वागत किया। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के कार्यों को घर घर पहुंचाने की अपील की गई, समाज की एकता पर बल दिया गया। तत्पश्चात अतिथियों ने विप्र फाउंडेशन टीम के साथ हनुमानगढ में चुना फाटक स्थित अम्बेडकर चौक पर संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माला पहनाकर व पुष्प वर्षा कर जयंती मनाई। उपरोक्त जानकारी विप्र फाउंडेशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी पवन चोटिया ने दी।

विश्व कल्याण के लिए किया शीश का दान, बने कलयुग के अवतार

शीश के दान की सजीव झांकी रही आकर्षण का केन्द्र

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। श्रीश्याम अखंड ज्योत पाठ समिति चूरू की ओर से रविवार को नागवानों के नोहरे में श्याम अखंड ज्योत पाठ का 11वां भव्य उत्सव फटकारों मोरछड़ी कार्यक्रम के तहत देर शाम शीश के दान की सजीव झांकी का दृष्य देखकर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। इस दौरान कोलकाता के विनोद ने पाठ का वाचन किया। कोलकाता के कलाकारों ने नृत्य नाटिकाओं की आकर्षक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में करीब आधे घंटे तक भजनों की प्रस्तुतियां दी गई, जिसमें श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाआरती की गई, जिसमें सभी श्याम प्रेमियों ने आरती में भाग लिया। श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ समिति चूरू के पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पांच दिवसीय हनुमान महोत्सव सम्पन्न

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। स्थानीय शक्ति पीठ श्री मेहन्दीपुर घाटा बालाजी धाम में

पांच दिवसीय हनुमान जन्म महोत्सव सोमवार को सुन्दर काण्ड पाठ व संकटमोचन हवन में मन्त्रों चार के साथ सम्पन्न हुआ। मन्दिर पुजारी गौतम जोशी व बृजबिहारी जोशी ने बताया कि हनुमान महोत्सव पर गत 8 अप्रैल से सामूहिक सुन्दरकाण्ड पाठ प्रातः 8.15 बजे से सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ सायं 7.15 बजे से तक किया गया, जिसकी पूर्णाहुति आगामी 23 अप्रैल को पूर्ण वैदिक विधान से की जाएगी। बाबा का चोला का विशेष श्रृंगार 11 अप्रैल सायंकाल को हुआ। पुजारी कुंजबिहारी जोशी ने बताया कि चैत्र सुदी पूर्णिमा महोत्सव 12अप्रेल को छप्पन भोग, सवामणी भंडारा और सायं 108 दीप के साथ पुजारी राहुल ने की। रात्रि में आयोजित भजन संध्या में भजन गायक कलाकार राजू मंगलहारा व रश्मि अरोड़ा सहित कई भजन गायककार अपने भजनों की प्रस्तुति से बालाजी को रिझाया।

भारत स्काउट के सदस्यों ने लगाए कलेक्ट्रेट में परिण्डे

सीकर(निस)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला सीकर के तत्वावधान में 14 अप्रैल को बी आर अंबेडकर जयंती के अवसर पर जिला कलेक्ट्रेट में राजकीय बीआर अंबेडकर बालक छात्रावास सीकर के स्काउट्स ने नए परिंडे लगाए व पुराने परिंण्डो की साफ–सफाई व जल भरने का कार्य किया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग सीकर की उपनिदेशक प्रियंका पारीक के सानिध्य में परिंडो में जल भरने का कार्य किया जिसमें स्काउट हेमंत अलवरिया, गौरव मीना , कवि ओम अलवरिया, सिद्धार्थ मीणा, अनिल, गुलशन कुमार, दिलखुश बुनकर, वीरेंद्र बुनकर, बृजेश, दीपांशु, गंभीर, रोहित पालीवाल, अंकित, देवराज, कपिल, बजरंग लाल ने श्रेष्ठ कार्य किया।

शिव की शक्ति से ही कष्टों का निवारण संभवः मिश्रा

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। सरदारशहर बाईपास रोड पर स्थित नंदीशाला में सोमवार को हुई महाशिवपुराण की कथा में पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि व्यक्ति के कष्टों का निवारण भगवान शंकर की भक्ति से ही संभव है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की भक्ति में आडंबर कुछ नहीं होता, हर कथा में प्रसाद का वितरण होता है, लेकिन महाशिवपुराण की कथा में इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं रहती। उन्होंने कहा कि विल्व पत्र में करोड़ों देवी- देवताओं का वास है। भगवान शिव के सामने भक्तों को किसी भी तरह का संकल्प नहीं लेना चाहिए, क्योंकि भगवान भोले एक लौटा जल व एक चम्मच गाय के शुद्ध दूध अर्पित करने से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्होंने महाशिवपुराण की कथा पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए भगवान महाराजा दशरथ व रावण के प्रसंग पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा रावण राजा दशरथ के यहां पहुंचकर अपनी मुक्ति के मार्ग को प्रशस्त कर लिया था। महाराज ने कथा के दौरान कहा कि भगवान शंकर देवो के देव है, उनकी

भक्ति के लिए ना कोई समय सीमा निर्धारित है और ना ही कोई विशेष विधि विधान की आवश्यकता है। महादेव तो भोले भंडारी है, उनको जिस भाव से याद करेंगे, वे उसी भाव से प्रकट हो जाएंगे। कथा के दौरान सोमवार शिव-पार्वती के विवाह की झांकी प्रस्तुत की और माता पार्वती के कठिन तप की कथा सुनाई। कथा शुरू होने से व्यासपीठ की पूजा-अर्चना आयोजक दिनेश लाहोटी व परिवार के सदस्य, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि ने की। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा के दौरान महाराज ने श्रद्धालुओं की ओर से भेजे गए पत्रों का वाचन करते हुए भगवान शिव की महिमा बताई। एरिया मजिस्ट्रेस्ट सज्जनकुमार लाटा के निर्देशन में आयोजन समिति ने बेरिकेट्स व्यवस्था को और सुदृढ़ किया। वहीं कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए पेयजल व्यवस्था को भी बढ़ाया गया है। साथ ही कथा स्थल पर चल रहे भंडारे का भी एरिया मजिस्ट्रेट ने जायजा लेते हुए आयोजनकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। भंडारे में प्रतिदिन दोनों समय लगभग 20 हजार लोग प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। कथा के दौरान सोमवार को काफी श्रद्धालुओं को कथा स्थल से वापिस लौटना पड़ा, क्योंकि पांडाल छोटा पड़ गया था। वहीं कई श्रद्धालु छाते ही ओट में बैठकर कथा सुनते हुए दिखाई दिए। कथा समाप्ति के बाद लगभग एक घंटे तक मेगा हाईवे, सरदारशहर बाईपास, पंडितपुर सड़क मार्ग जाम रहा। डीवाईएसपी अनिल कुमार व सीआई दिलीपसिंह के नेतृत्व में लगभग 100 पुलिसकर्मियों का जाप्ता ट्रेफिक व्यवस्था को संभाले हुए थे। कथा समाप्ति के लगभग एक घंटे बाद आवागमन सुचारू हुआ।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, हत्या का मामला दर्ज

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। सदर थाना क्षेत्र के नयासर गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक के भाई विजय कुमार की रिपोर्ट पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों सहित अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। अजय की 13 अप्रैल को रात नौ बजे मौत हुई। उसके बड़े भाई विजय कुमार ने आज सुबह सदर थाने में हत्या का केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि गांव के कुछ लोग उनकी पारिवारिक जमीन हड़पने की नीयत से उनके छोटे भाई अजय कुमार को पिछले दो-तीन महीनों से अपने पास रखकर लगातार शराब पिला रहे थे। विजय के अनुसार अत्यधिक शराब सेवन के कारण अजय की तबीयत बिगड़ती गई और आखिरकार उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने इस मामले में सुरेन्द्र शर्मा, सुरेन्द्र कस्वा, विजेन्द्र कस्वा और अनिल कस्वा के नामों का उल्लेख करते हुए अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज कराया है। विजय कुमार ने बताया कि वह और उनका भाई अजय कुमार गांव में अकेले रहते हैं। उनके माता-पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। गांव के ही कुछ लोग उनकी 10 बीघा कृषि भूमि को हड़पना चाहते थे। इसी उद्देश्य से उन्होंने अजय को अपने पास रख लिया और उसे लगातार शराब पिलाते रहे। विजय का आरोप है कि इस पूरी साजिश

के पीछे जमीन हथियाने की मंशा थी, जिसके चलते उन्होंने अजय की जान तक ले ली। मामला दर्ज होते ही पुलिस हरकत में आई और जांच का जिम्मा सीओ सिटी वीरेन्द्र शर्मा को सौंपा गया। सीओ शर्मा ने बताया कि अजय कुमार के भाई की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और जो भी इस अपराध में दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने का कार्य किया है।

नरेगा कार्य समय में बदलाव, अब सुबह 6 से दोपहर 1 बजे तक होगा काम

सीकर(निस)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा के निर्देशानुसार जिला परिषद सीकर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजपाल यादव ने महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत कार्य समय में बदलाव का आदेश जारी किया है। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि श्रमिकों को दोपहर की तपिश से बचाया जा सके। नए आदेश के अनुसार, नरेगा के तहत कार्य अब सुबह 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा। यह व्यवस्था 15 अप्रेल मंगलवार से लागू होकर 15 जुलाई 2025 तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान मेट की ओर से उपस्थिति मस्टररोल में अंकित की जाएगी, जबकि दोपहर 1 बजे के बाद कार्य बंद रहेगा। यदि कोई श्रमिक समूह सुबह के समय से पहले कार्य शुरू करना चाहता है, तो उसे इसकी अनुमति दी जा सकती है, लेकिन कार्य समापन दोपहर 1 बजे तक अनिवार्य होगा।

सालासर में पथ का संचलन निकाला

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की और से रविवार शाम को अंजनी माता मंदिर रोड़ से आदर्श विद्या मंदिर स्कूल तक पथ का संचलन किया गया। संघ के स्थानीय प्रचारक जितेंद्रसिंह भदौड़िया व गोविन्दसिंह ने बताया सनातन धर्म को बढ़ावा देने व संघ के प्रति जागृति पैदा करने के लिए पथ का संचलन किया गया। पथ संचलन मंदिर के पास वीर तेजा जूस सेंटर के प्रोपराइटर टिकुराम ढाका व नरेंद्र गुलेरिया ने सभी लोगों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इसके बाद सीकर बस यूनियन के अध्यक्ष गोपाल ढाका ने भी पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इसके बाद श्री राम मेडिकल के पास दिल्ली के खिलौने व्यापारी देव चोहान ने भी पुष्प वर्षा कर स्वागत किया किया जिसमे चूरू संघ के प्रचार प्रमुख रामलाल, सुजानगढ़ खंड प्रचारक अंकित, गौरीशंकर आश्रम के महंत सिधेश्वरा आनन्द महाराज के सानिध्य में पथ संचलन याता निकाली गई। रास्ते में अंजनी माता मंदिर के पुजारी रामगोपाल पारीक, उत्तम पुजारी, बुलेश प्रजापत व बालाजी मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष सत्यप्रकाश पुजारी, मनोज पुजारी, मनीष पुजारी, अनिल मिश्रा, जुगलकिशोर शर्मा, शंकरलाल पुजारी सहित ग्रामीणों में पठ संचलन का जगह जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया।

प्रतिभाओं का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़.(नि.सं.)। स्थानीय नलिया बास स्थित माली समाज भवन परिसर में महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय संस्थान की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 70 प्रतिभाओं के साथ ही 25 स्वयंसेवक, 15 सांस्कृतिक व साहित्यिक सम्मान दिए गए। मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर के रामलाल कच्छावा मौजूद

रहे। जबकि अध्यक्षता उप सभापति अमित मारोठिया ने की। संस्थान अध्यक्ष बाबूलाल कारोड़िया, भामाशाह जयचंदलाल टाक, पूनमचंद कच्छावा, रामगोपाल शास्त्री, चंपालाल तंवर, कन्हैयालाल जादम, विक्रमसिंह चोबदार, मिथलेस तंवर, गुलाबचंद सिंगोदिया, राकेश चौहान, बाबूलाल सैनी, पार्षद राकेश तंवर आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में डॉ. कन्हैयालाल मारोठिया ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में प्रकाश डाला। जयपुर से भागचद सैनी, रामनारायण चौहान, मुकेश सैनी, सुनील सैनी सहित सुजानगढ़ व आस-पास क्षेत्र के अनेक समाजबन्धु मौजूद रहे।

ठरडा में आरोग्य विहार के लिए भूमि पूजन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती ठरडा क्षेत्र में सुक्षेम फाउंडेशन की ओर से 250 करोड़ की लागत से बनने वाले 300 बेड के अस्पताल के लिए भूमि पूजन किया गया है। भामाशाह हीरालाल मालू शायर मालू सहित अनेक लोगों ने विधि विधान पूर्वक वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच भूमि पूजन किया। भामाशाह मंगलाराम चौधरी, एडीएम मंगलाराम पूनिया, विधायक मनोज मेघवाल, सभापति नीलोफर गोरी, बजरंग लाल बाहेती, अनिल जैन विजयसिंह डोसी, राजेंद्र दाधीच, जय श्री दाधीच, कमल दाधीच, सरपंच सविता राठी आदि ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की और पंडितजनों के सानिध्य में नींव का पत्थर रखकर भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर केसी मालू ने बताया कि 15 अप्रेल को केंद्रीय मंत्रह अर्जुनराम मेघवाल, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा सहित अनेक मंत्री कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और विधिवत् रूप

से सुक्षेम आरोग्य विहार का शिलान्यास होगा। इस अवसर पर भामाशाह हीरालाल मालू ने बताया कि हम प्रवासी लोग सुजानगढ़ में जन्मे, यहां पर बड़े हुए और आज हम लोग सुजानगढ़ व आस-पास के क्षेत्र की जनता के लिए नया प्रकल्प शुरू कर रहे हैं। मेरी जनता से अपील है कि इस पुनीत कार्य में सहयोग करें। ताकि यह कार्य परवान चढ़ सके। इस अवसर पर मोहम्मद इदरीश गौरी, बसंत कुमार बोरड़, राजेश सुंदरिया, आनंदसिंह, महावीर प्रसाद पाटनी, इरशाद गौरी, प्रदीप टाक, किशोर सेन, दिनेश पीपलवा आदि लोग मौजूद रहे।

शेखावाटी स्तरीय महात्मा फुले अवार्ड 2025 आयोजित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। शेखावाटी अंचल में समाजसेवा, शिक्षा व प्रशासनिक क्षेत्र में सराहनीय, अतुलनीय योगदान के लिए सुजानगढ़ हाल जयपुर निवासी हिमाचल प्रदेश प्रवासी समाजसेवी भामाशाह रामलाल कच्छावा, भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य शिक्षाविद डॉ एन एस नाथावत, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी भोलाराम टांक, प्रशासनिक अधिकारी सांवरमल वर्मा को समाजसेवी आनंद कुमार बागड़ी की 11वीं पुण्यतिथि पर महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास में रविवार को आयोजित समारोह में शेखावाटी स्तरीय महात्मा ज्योतिबा फुले अवार्ड 2025 से नवाजा गया। शील जति आश्रम भोजासर बडा के पीठाधीश्वर महंत शिवराज जति महाराज के सानिध्य, भामाशाह समाजसेवी झुंझुनूं हाल हैदराबाद निवासी इन्द्रपाल धुपिया की अध्यक्षता व सीकर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेन्द्र सिंह जोधा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में पूर्व चेयरमैन वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश जोशी, भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्रीकुमार लखोटिया, सरकारी जिला

अस्पताल लक्ष्मणगढ़ के पीएमओ डॉ अटल भास्कर, डॉ राजीव ढाका, सैनी समाज के पूर्व अध्यक्ष पुरणमल राकसिया, रामावतार सिंगोदिया, विनोद गौड़, अनिल बागड़ी, घीसाराम गौड़, समाजसेवी रामनारायण चौहान, भागचंद सैनी, कुडाराम धाभाई समारोह में विशिष्ट अतिथि रहे। ट्रस्ट के चैयरमेन महेश बागड़ी, प्रेमप्रकाश बागड़ी, राजकुमार कम्मा सहित सहित अन्य सदस्यों की ओर से अतिथियों का सम्मान किया गया। अभिनंदन पत्र का वाचन उपकोषाधिकारी सज्जन कुमार सैनी, सहायक लेखाधिकारी प्रथम झाबरमल सिंगोदिया, व्याख्याता जयप्रकाश सिंगोदिया, बाबूलाल सैनी ने किया। ट्रस्ट के सचिव पत्रकार बाबूलाल सैनी ने ट्रस्ट की ओर से शिक्षा, चिकित्सा, सेवा व परोपकार के लिए किए गए कार्यों की जानकारी, प्रतिवेदन, अतिथियों का परिचय व स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जबकि संचालन महेंद्र चुनवाल ने किया और छात्रावास समिति के अध्यक्ष रामावतार सिंगोदिया ने आभार जताया। इस अवसर पर महाराज श्री ने अपने संबोधन में कहा कि सेवा से बड़ा कोई पुण्य का कार्य नहीं हो सकता। समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेन्द्र सिंह जोधा ने कहा कि शिक्षा से विकास संभव है। समारोह को डॉ.नाथावत, डॉ.भास्कर, कच्छावा, वर्मा, टांक, चौहान, महावीर प्रसाद गौड़ श्रीडूंगरगढ़, पूनमचंद जयपुर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सरकारी सेवा जितेंद्र किरोडीवाल बैंक ऑफ इंडिया में पीओ, अंजली सिंगोदिया कनिष्ठ लेखाकार, रतनलाल सिंगोदिया सूचना सहायक, कौशलराज टांक क्लर्क बैंक ऑफ इंडिया, खुशबू बबेरवाल क्लर्क बैंक ऑफ इंडिया, पंकज गौड़ क्लर्क स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, स्वाति सैनी को मोतियों की माला प्रशस्ति पत्र व प्रतिक चिन्ह भेंट कर मंचस्थ अतिथियों ने सम्मानित किया, समाजसेवी बागडी की पुण्यतिथि पर आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में बैंक मैनेजर , व्यापारियों व युवाओं ने उत्साह दिखाते हुए रक्तदान किया। शिविर में 218 युनिट रक्त का संग्रहण हुआ। शिविर का उद्घाटन श्रीकुमार लखोटिया ने किया जबकि पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर फिजिशियन,नेत्र रोग, नाक, कान, गला, दंत रोग विशेषज्ञ व फिजियोथैरेपिस्ट ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हुए। इससे पूर्व छात्रावास प्रांगण में बागडी को मंचस्थ अतिथियों व उपस्थित लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। समारोह में गजेन्द्र सौलंकी जोधपुर, पूनमचंद कच्छावा जयपुर, मुकेश सैनी उपाध्यक्ष सरना डूंगर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन जयपुर, एडवोकेट सुनील सैनी जयपुर, मंतुराम तंवर चूरू, श्रवण खडोलिया रामगढ़ शेखावाटी,समाजसेवी गिरधारी लाल राकसिया, गोविंद राकसिया, नरेश मिटावा, दीनदयाल चुनवाल, कैलाश बोदलासी, महावीर चुनवाल, नथमल चुनवाल,मनीष चुनवाल, बलदेव चुनवाल सहायक पुलिस निरीक्षक सुनीता सैनी, पूर्व पार्षद राकेश गौड़, सत्यनारायण भभैवा, कन्हैयालाल गौड़, कैलाश टांक, राकेश टांक, लालचंद टांक, मुकेश टांक, जगदीश भभैवा, विनोद सांखला, महेंद्र सांखला, सुरेंद्र सांखला सेठों की कोठी, श्रीराम भभैवा, महावीर जाजम, सीए राकेश कटारिया, सहायक लेखाधिकारी प्रथम ताराचंद सेठों की कोठी, दीपक कटारिया, कैलाश जाजम सहित बड़ी तादाद में प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल आ सुजानगढ़ आएंगे

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। केन्द्रीय कानून व न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मंगलवार को सुजानगढ़ आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केंद्रीय मंत्री मेघवाल 15 अप्रैल को सवेरे 5.08 बजे ताल छापर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे और ताल छापर में बैठक व कार्यक्रम में भाग लेकर सवेरे 10 बजे सुजानगढ़ के लिए प्रस्थान करेंगे। सवेरे 10.30 बजे सुजानगढ़ पहुंचकर सुक्षेम फाउंडेशन की ओर से सुक्षेम आरोग्य विहार में राजकीय मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे सुजानगढ़ से डूंगरगढ़ के लिए प्रस्थान करेंगे।

नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा का आज सुजानगढ़ दौरा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। नगरीय विकास व स्वायत्त शासन विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा मंगलवार को सुजानगढ़ आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खर्रा 15 अप्रैल को सवेरे 8 बजे भारणी से प्रस्थान कर सवेरे 10.30 बजे सुजानगढ़ पहुंचेंगे। इसके बाद सुक्षेम आरोग्य विहार हॉस्पिटल के शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात दोपहर 12.30 बजे सुजानगढ़ से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

अंबेडकर के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। आदर्श छात्रावास में आदर्श छात्रावास समिति व जिला ओ.बी.सी. वेलफेयर सोसायटी चूरू के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134 वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ध्यान नाथ महाराज ने की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एडीएम अर्पिता सोनी रही। वहीं विशिष्ट अतिथि जिला प्रमुख वंदना आर्य, विशिष्ट अतिथि रामेश्वर प्रजापति, गिरधारी लाल तंवर, राधेश्याम स्वामी, मोहनलाल आर्य, भूराराम भाटिया, हनुमानाराम ईसराण, हंसराज सावा, विद्याधर मेघवाल, सोहनलाल मेघवाल, चंद्रमोहन सैनी, चानणमल सैनी, भंवरसिह परिहार, रिछपाल सिंह चारण, रणधीर सिंह, नारायण राम मेघवाल, सज्जन कुमार सैनी, सुगनचंद रांगेरा, आनंद बालाण, गोविंद कुमार व भक्ति दास महाराज रहें। कार्यक्रम में आगंतुक अतिथियों ने माल्यार्पण कर व पुष्प अर्पित कर डॉ. अम्बेडकर को याद किया। मंचस्थ अतिथियो ने बाबा साहब के व्यक्तितव व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके पद चिन्हो पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर रामरतन, धनेश कुमार, नीतु शीला, पूनम, आनंद सैनी, शीशराम माहिच, राजकुमार चिड़िदया, हरिकिशन जांगिड, राकेश कुमार, रामावतार पिपरालिया, अर्जुन प्रजापति, उर्मिला, संतोष खेडिवाल, सांवरमल बरोड, कैलाशचंद बरोड, मनराज, बाबूलाल बुनकर, मोहन अर्जुन, नंदलाल बौद्ध, शंकरलाल सैनी, ओमप्रकाश प्रजापत, भंवरलाल सैनी, प्रभुदयाल सैनी, केशरदेव सैनी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मुन्नीराम शीला व सावंतराम बरोड़ ने किया।

महावीर प्रसाद बजाज को श्रद्धासुमन अर्पित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ के प्रवासी उद्योगपति वाराणसी निवासी समाजसेवी जे डी बजाज समूह व ढांढण दादी परिवार के संरक्षक महावीर प्रसाद बजाज को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए स्थानीय। बैरागड़ा भवन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में दादी परिवार के संयोजक संदीप बजाज श्री रघुनाथ विद्यालय के डॉक्टर पूनमचन्द जोशी अग्रवाल पंचायत समिति के मंत्री लखीप्रसाद बादुसरिया व वक्ताओं ने श्रद्धेय बजाज साहब के जुड़े संस्मरण याद किए।

पुलिस हिरासत में युवक की मौत, 32 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

चोरी के आरोप में थाने लेकर गई थी, पिता बोले- बेटे को बेरहमी से पीटा, पैरों में सूजन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। चोरी के आरोप में गिरफ्तार युवक की पूछताछ के दौरान तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां रविवार देर रात उसने दम तोड़ दिया। मामला झुंझुनूं के खेतड़ी इलाके का है। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया है। झुंझुनूं एसपी शरद चौधरी के अनुसार, चोरी के आरोप में अजीतगढ़ के सीपुर निवासी पप्पू राम मीणा (28) को रविवार शाम 5 बजे गिरफ्तार किया गया था। थाने में पूछताछ के दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई। एसपी ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, पुलिस ने युवक के साथ मारपीट और टॉर्चर की बात से इनकार किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए झुंझुनूं एसपी शरद चौधरी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एसएचओ से लेकर कॉन्स्टेबल तक सभी को लाइन हाजिर कर दिया है। 32 पुलिसकर्मियों को खेतड़ी थाना से पुलिस लाइन झुंझुनूं भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

32 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

खेतड़ी थानाधिकारी ने गोपाल लाल ने बताया कि रवि कुमार ने 28 फरवरी को खेतड़ी थाने में मामला दर्ज हुआ था। इसमें उसने बताया था कि करमाड़ी ढाणी में उसका मकान है। जहां 200 कट्टे ग्वार के रखे हुए थे। 110 क्विंटल ग्वार की कीमत करीब 6 लाख रुपए थी। 28 फरवरी को जब वह मकान पर गया तो ताला टूटा हुआ मिला और ग्वार के कट्टे गायब थे।

सीसीटीवी फुटेज से चोरों तक पहुंची थी पुलिस

इसके बाद आस-पास लगे सीसीटीवी खंगाले तो पता चला कि चोरी की घटना 24 फरवरी की रात करीब 2 बजे की है। इसमें कुछ लोग गाड़ियों में ग्वार के कट्टे भरकर ले जाते हुए दिखाई दे रहे थे। थानाधिकारी ने बताया कि इसी मामले में एक युवक को पकड़ा था, रिमांड के दौरान उसने पप्पूराम का नाम लिया था। ऐसे में रविवार को पप्पू राम को अरेस्ट किया था।

पूछताछ के दौरान अचानक बिगड़ी तबीयत

पूछताछ के दौरान पप्पूराम को घबराहट होने लगी और थोड़ी देर बाद वह उल्टियां करने लगा। पुलिस उसे खेतड़ी के सरकारी अस्पताल में ले गई। जहां से बीडीके हॉस्पिटल रेफर कर दिया। रात 1 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। भाई ने कहा कि-6 अप्रैल को ही पुलिस ले गई थी इस मामले में युवक के भाई कानाराम ने बताया कि पप्पू 6 अप्रैल को अपनी बहन के ससुराल नयाबास गया था। इसी दौरान चार गाड़ियों में सवार पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और पप्पू को गाड़ी में बैठाकर खेतड़ी थाने ले गए थे। जब हमें इस बात की सूचना मिली कि पुलिस ने पप्पू को हिरासत में लिया है तो 8 अप्रैल को खेतड़ी थाने पहुंचे, लेकिन पप्पू से मिलने नहीं दिया गया। इसके बाद 10 अप्रैल को वकील के साथ थाने पहुंचे, जहां पुलिस अधिकारियों ने मौका मुआयना और तस्दीक करवाने की बात कहकर वापस भेज दिया। पीड़ित के पिता हनुमान प्रसाद ने आरोप लगाया कि पप्पू को हिरासत में लिए जाने वाली रात को बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसके पैरों में सूजन आ गई थी और वह चलने-फिरने की हालत में नहीं था। इसके बाद पुलिस ने उसे खेतड़ी थाने की बजाय निजामपुर मोड़ चौकी में एक कमरे में बंद कर दिया था और कोर्ट में भी पेश नहीं किया। पीड़ित के पिता हनुमान प्रसाद ने आरोप लगाया कि पप्पू को छोड़ने के बदले पुलिसकर्मियों ने दो लाख रुपए की मांग की थी। पप्पू के खिलाफ दो साल पहले अमरसर थाने में चोरी की एक भैंस खरीदने का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन पुलिस अब उसे बेवजह इस मामले में घसीट रही थी। पप्पू तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। बड़ा भाई हीरालाल ट्रैक्टर चलाता है, जबकि छोटा भाई प्रमोद पढ़ाई करता है। पप्पू के डेढ़ साल का एक बेटा है। पप्पू पिकअप चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। पुलिस ने उसकी पिकअप भी जब्त कर रखी है। आदिवासी मीणा संस्थान के अध्यक्ष सुरेश मीणा के आह्वान पर दोपहर में लोग खेतड़ी थाने पहुंचे और धरना देकर बैठ गए। पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा भी धरने पर बैठे। महिलाएं थाने में बैठकर रोने लगीं। परिजन पुलिसकर्मियों पर हत्या का मामला दर्ज करने, एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग कर रहे हैं।

बाबा साहब अम्बेडकर ने समाज को दी नई दिशा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला मुख्यालय पर सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर पुराने कलेक्ट्रेट परिसर में अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को आत्मसात कर सामाजिक जागृति का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. एमएम पुकार रहें। इस दौरान सीताराम खटीक, सोमासी सरपंच संतोष मेघवाल व पशुपालन विभाग के सहायक निदेशक डॉ. निरंजन चिरानिया मंचस्थ अतिथि रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. एमएम पुकार ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने सामाजिक जागृति और उत्थान के साथ समाज को नई दिशा दी। बाबा साहब ने संविधान का निर्माण कर समाज के प्रत्येक व्यक्ति को उनके अधिकार दिए, जिससे वर्तमान भारत का निर्माण हुआ। बाबा साहब ने समाज के वंचित, शोषित वर्ग और महिलाओं के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के आदर्शों पर चलकर हमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति के हक और अधिकार के लिए एकजुट होना चाहिए। अनेक सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करते हुए प्रत्येक वंचित व्यक्ति को उनके सम्मान व हक के लिए संगठित रहकर संघर्ष करें। डॉ. बीआर अंबेडकर संघ के जिलाध्यक्ष सीताराम खटीक ने कहा कि हमें संगठित रहकर विकसित समाज की संकल्पना को साकार करना है। सोमासी सरपंच संतोष मेघवाल ने कहा कि हमें शिक्षित समाज के लिए संगठित प्रयास करने चाहिए। समाज के प्रत्येक व्यक्ति के शिक्षित होने से ही हम अपने अधिकारों, हक व विकास के लिए खड़े हो पाएंगे। पशुपालन सहायक निदेशक डॉ. निरंजन चिरानिया ने कहा कि बाबा साहब के आदर्शों को अपनाकर सामाजिक समरसता, भाईचारे और एकता के लिए संकल्पित रहना होगा। हम सभी के संकल्पित प्रयासों से ही हम समाज को विकसित बना पाएंगे। इस दौरान मोहनलाल अर्जुन व राकेश पंवार ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बाबूलाल कल्ला, बजरंग बजाड़, धनश्याम अलवरिया, विनोद खटीक, चेतन खारड़िया, विक्रम भाट, पूर्णमल रायपुरिया, गजानंद, जैसराज कंवल, ओंकारमल, परसाराम, केसरदेव, कमल, रवि, सोहन, रिछपाल, रामचंद्र मेघवाल, आयुष सरोवा सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक सरोवा ने किया।

अम्बेडकर के जीवन आदर्श पर चले आमजनः जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा

जयपुर टाइम्स

सीकर(निस)। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को अंबेडकर जयंती जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहिब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पुष्पमाला व पुष्प अर्पित कर ज़िला कलेक्टर मुकल शर्मा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने किया। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग की ओर से किया गया। उपनिदेशक प्रियंका पारीक ने कार्यक्रम आयोजन के उद्देश्य व सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक कार्यकर्ताओ एवं सम्मानित होने वाले जनों को सामाजिक सरोकारों में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर मुकल शर्मा ने शिक्षा ,महिला उत्थान, न्याय एवं सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। प्रिंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल कक्षा 12 की मेघावी छात्रा मनीषा गहलोत, सुरेश कुमार भास्कर संदर्भ व्यक्ति सीबीईओ लक्ष्मणगढ़ को सामाजिक हासिये के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़े व गरीब लोगों के उत्थान में उल्लेखनीय कार्य करने पर जिला प्रशासन की ओर से डॉ अंबेडकर सामाजिक सुरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जिला कलेक्टर मुकल शर्मा ने प्राचीन भारतीय संस्कृतिक समरसता के साथ–साथ जीवन के अनुभव साझा करते हुए भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन आदर्श को व्यहारिक आचरण में उतारकर उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

चूरू के रेस्ट हाउस में बनेगा अम्बेडकर ऑडिटोरियम : राठौड

धूमधाम से मनाई अम्बेड़कर की 134 वीं जयंती

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। जिलेभर में सोमवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान शहर के विभिन्न स्थानों से रैली निकाली गई। इधर शहर के वार्ड 46 स्थित भामी बस्ती से अम्बेडकर भवन कालेरा बास तक रैली निकाली गई। यहां रैगर बस्ती, वाल्मीकि बस्ती, बूंटिया से अलग-अलग मोहल्लों से भामी बस्ती से एकत्रित होकर अम्बेडकर भवन के लिए रवाना हुई। रैली में पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण ने रथ पर सवारी की। रैली का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान अम्बेडकर समर्थक झूमते नजर आए। अम्बेडकर भवन पहुंचकर रैली सभा में परिवर्तित हो गई। कार्यक्रम में अतिथियों का रेखा बरोड़ व कंचन सरेवा ने बैच लगाकर अभिनंदन किया। डॉ. भागीरथ मेघवाल ने राजेन्द्र राठौड़ व हरलाल सहारण को संविधान की प्रति भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि बाबा साहेब एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने बाल्य काल से ही गरीबी और छुआछूत को करीब से देखा। बाबा साहेब को कभी कोई पद का लालच नहीं था। आजकल तो लोग कुर्सी के लिए कपड़ों की तरह पार्टियां बदलते हैं। इस अवसर पर राठौड़ ने कहा कि अगले वर्ष अम्बेडकर जयंती से पहले चूरू में भव्य ऑडिटोरियम बनेगा, इसके लिए आगामी बजट में घोषणा करवाएंगे। विधायक हरलाल सारण ने कहा कि अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए राठौड़ सदैव समर्पित रहते हैं। आने वाला समय हम सब का है, हम मिलकर बाबा साहेब के पद चिन्हों पर चलेंगे और अच्छे समाज के निर्माण में पूर्णतया भागीदार बनेंगे। इस दौरान जय भीम के नारों से शहर गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया ने बताया कि बाबा साहेब ने जीवनपर्यन्त सर्व समाज के हितों और अधिकारों के लिए संघर्षरत रहें लेकिन हम अनुसूचित जाति-जनजाति के लोग बाबा साहेब को अनुसूचित जाति-जनजाति का बताकर उनके कद को छोटा करने का तुछ कार्य कर रहें हैं। इस दौरान पैरा ऑलम्पिक कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया, भाजपा प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, अम्बेडकर जयंती समिति अध्यक्ष गजानंद खेड़ीवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता ओम सारस्वत, सांवरमल गहनोलिया, पूर्व पार्षद विष्व नाथ जांगिड़, पार्षद प्रतिनिधि हरिराम चोपड़ा, पूर्व सभापति विजय कुमार आदि ने भी सभा को सम्बोधित किया। मंच पर प्रधान दीपचंद राहड़, पार्षद प्रतिनिधि आनंद रछोया, विजय वाल्मीकि, पार्षद मेघराज भार्गव, सुरेंद्र नायक राजगढ़, पवन चांवरिया, सुनीता खटीक, राजू भाट, प्रकाश सांसी, पुष्पा खारडिया, रमेश सांसी, प्रकाश नायक, सोनू धानक सरपंच, भाजयुमो महामंत्री गुरू धानका, रणजीत माहीच, बृजलाल गोठवाल, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष मदनगोपाल बालाण, विश्वनाथ राजगुरू, विमला, पूर्व पार्षद लालचंद पंवार, रामेश्वर धौलपुरिया, पवन बागड़ी, नौरंग वर्मा आदि मंचस्थ अतिथि रहे। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद कलावती लुगरिया, किशन रछोया, चंद्रप्रकाश, गोविन्द लुगरिया, रिछपाल कानखेड़िया, सुनील खेड़ीवाल, सोहनलाल ठेकेदार, संदीप लुगरिया, रविंद्र इंदौरा, विनीत, दीनदयाल, फरियाद खान, सलीम गौरी, अमराराम नायक, राजकुमार अलवरिया, महेश माहीच, धर्मवीर माहीच, किशन, गणेश, रामचंद्र कांटीवाल, रामेष्वर धौलपुरिया, रिद्धकरण रछोया, जीवन प्रजापत सहित बड़ी संख्या महिला-पुरूष उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन किशनलाल गहनोलिया, डॉ. मूलचंद व नंदलाल बौद्ध ने किया। इधर पंखा रोड़ स्थित नानीबाई मड़दा स्कूल के पास मेघवाल मोहल्ले से पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर वासुदेव चावला, नरेन्द्र कंवल, अजीत मेघवाल, दीनदयाल खारड़िया, बजरंग बजाड़, जेपी पेंटर, बाबूलाल कल्ला, चेतन खारड़िया, कुलदीप कंवल, गिरधारी कंवल, प्रदीप कल्ला, अमित कंवल, सुनील कल्ला, मुकेश कल्ला सहित सैकड़ों मोहल्ले वासी मौजूद रहे। सुभाष चौक पर कालेरा बास, रैगर बस्ती, बाल्मीकि बस्ती, मोचीवाड़ा से आने वाली रैलियों का संगम हुआ। इधर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के निर्देशानुसार कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय स्थित चौ. कुम्भाराम आर्य स्मारक स्थल के पास संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेड़कर के जन्मदिन पर निकाली रैली का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पार्षद विमल शर्मा, नारायण बालान, सूर्य प्रकाश, अली मोहम्मद भाटी, योगेश गौड़, पार्षद अनीश खान आदि ने स्वागत किया। इधर नई सड़क पर कॉम काजियान सदर संजय भाटी के नेतृत्व में भी पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया गया। इस दौरान ठंडे पानी व जूस की निःशुल्क व्यवस्था की गई। इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर, वरिष्ठ नेता मोहम्मद हुसैन निर्वाण, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, दिलावर खान, शाहरुख खान, खालिद कुरैशी, अजीज खान, समीउल्लाह गौरी, नुमान सैय्यद, बाबू मंत्री, फारूक चौहान, आरिफ रिसालदार, जाकिर झारिया वाला, विजय सारस्वत, सोनू खान आदि ने सहयोगी भूमिका निभाई।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।